रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

बुधवार
18 फरवरी -2026
वर्ष 10, अंक 165
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

झारखंड सरकार की जमीन पर रात्रि में माफिया द्वारा अवैध निर्माण जारी।

बोकारो में गरगा नदी पर भू-माफियाओं का कब्जा: राज्यपाल और मुख्यमंत्री लें संज्ञान

दैनिक अलग पहचान,अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/ झारखंड के बोकारो जिले में गरगा नदी, जो लंबे समय से इस क्षेत्र की जीवनरेखा के रूप में जानी जाती रही है, अब भू-माफियाओं के चंगुल में फंसकर अपनी अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। झारखंड के वरिष्ठ विधायक सरयू राय के साथ कार्यक्रम में उपस्थित हुए थे झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 5 जून 2025 को तेलमच्चो में आयोजित %देवनद-दामोदर महोत्सव% में नदियों को जीवनदायिनी बताते हुए पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया था और कहा था कि झारखंड प्राकृतिक संपदाओं से परिपूर्ण है तथा नदियां जीवनदायिनी हैं, विकास में प्रकृति से सामंजस्य आवश्यक है तथा इसका संरक्षण हम सभी का दायित्व है। लेकिन वास्तविकता में बारी को-ऑपरेटिव कॉलोनी (सेक्टर 12 थाना क्षेत्र) से चौरा-चास तक नदी की सरकारी जमीन पर भू-माफियाओं का कब्जा लगातार बढ़ रहा है, जबकि स्थानीय प्रशासन नगर निगम चुनाव की व्यस्तता का हवाला देकर निष्क्रिय बना हुआ है। इस ऐतिहासिक नदी, जो कलौंडी बांध से निकलकर लगभग 35 किलोमीटर की लंबाई में बहती है और दामोदर नदी में मिलती है, कभी सैकड़ों फीट चौड़ी थी। स्थानीय रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, पहले इसकी चौड़ाई 300 फीट तक थी, लेकिन अब कई जगहों पर यह महज 50-150 फीट रह गई है। कुछ हिस्सों में तो यह पूरी तरह नाले या जोरिया में बदल चुकी है, जहां भू-माफिया मिट्टी भरकर जमीन समतल करते हैं, रातोंरात चारदीवारी खड़ी करने में लगे है। इससे नदी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित हो रहा है, जलस्रोत सूख रहे हैं और पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। नदी में प्रदूषण भी बढ़ रहा है--गंदा पानी, गोबर, जलकुंभी आदि से जलीय जीवन खतरे में है, और नदी का संकुचन होने से पूजा-पाठ, तर्पण और छठ जैसे त्योहार भी प्रभावित हो रहे हैं।बारी को-ऑपरेटिव कॉलोनी के निवासी लंबे समय से बच्चों, बुजुर्गों और आम जनता के लिए सार्वजनिक पार्क की मांग कर रहे हैं। प्रोफेसर बारी सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड के तत्कालीन सचिव ए.बी. सिंह ने 12 अगस्त 2025 को बोकारो उपायुक्त को पत्र लिखकर खाता संख्या 157 (प्लॉट 681 एवं 696) तथा संलग्न गैरमजरूआ परती जमीन (खाता 160, प्लॉट 682 एवं 683) सहित कुल लगभग 1.80 एकड़ क्षेत्र में पार्क निर्माण की अनुमति मांगी थी। लेकिन नदी तट की इसी जमीन पर भू-माफियाओं का बढ़ता कब्जा इस जनहित योजना को खतरे में डाल रहा है। स्थानीय सूत्रों और एक्स पर सक्रिय पत्रकारों जैसे मनोज गुप्ता

और द्वारा साझा की गई पोस्ट्स से पता चलता है कि भू-माफिया प्रभावशाली लोगों, रिटायर्ड अधिकारियों और दबंगों के साथ मिलकर सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, 16 फरवरी 2026 को मनोज गुप्ता

ने बोकारो डीसी अजय नाथ झा

को टैग करते हुए लिखा कि गरगा नदी बोकारो की जीवनरेखा है, मगर भू-माफिया अतिक्रमण बढ़ा रहे हैं, नदी का प्रवाह खतरे में है, सरकारी जमीन लूटी जा रही है, और सेक्टर-12 थाने को सूचना के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही, केवल आश्वासन मिल रहे हैं। इसी तरह कई लोगों ने को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार

और डीसी को टैग कर गरगा नदी पर भूमाफियाओं के कब्जे की शिकायत की, जिसमें रात्रि में भी अवैध निर्माण जारी होने का जिक्र है। ये पोस्ट्स दर्शाती हैं कि समस्या आम लोगों तक पहुंच चुकी है और सोशल मीडिया पर भी लगातार आवाज उठाई जा रही है बोकारो जिला प्रशासन ने समय-समय पर ÷अतिक्रमण हटाओ÷ अभियान चलाए, नोटिस जारी किए और टास्क फोर्स बनाई, लेकिन ठोस और स्थायी कार्रवाई की कमी बनी हुई है। जनवरी 2026 में चास अंचल ने नदी किनारे मापी और नोटिस जारी किए, लेकिन प्रभावशाली लोगों के शामिल होने से अधिकारी कार्रवाई में हिचकिचाते हैं और कॉमरेड महादेव शर्मा ने कहा की वसूली करने के लिए नोटिस जारी किया गया था। वसूली करके ठंडा बस्ता में फाइल को दबा दिया गया है। हालिया घटनाक्रमों में 10 फरवरी 2026 को मीडिया टीम ने स्थल निरीक्षण किया और अवैध निर्माणों की तस्वीरें लीं, जबकि 12 फरवरी 2026 को इस मुद्दे पर न्यूज प्रकाशित हुई। किसान संग्राम समिति के नेता मुजफ्फर हुसैन अंसारी ने इसे ÷आपदा का मामला÷ करार दिया और झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री तथा विधायक कॉमरेड अरूप चटर्जी को शिकायत भेजी। 13 फरवरी 2026 को समिति ने अनुमंडल पदाधिकारी को लिखित आवेदन दिया, और 17 फरवरी 2026 को बोकारो डीसी अजय नाथ झा को जानकारी दी गई, जिन्होंने कानूनी कार्रवाई की बात कही, लेकिन स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। अंचल अधिकारी ने नगर निगम चुनाव की व्यस्तता का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव बाद बात करेंगे, जिससे लगता है कि चुनावी माहौल में भू-माफिया और सक्रिय हो गए हैं। बोकारो में लैंड माफिया की समस्या नई नहीं है; अप्रैल 2025 में ईडी ने बोकारो फॉरेस्ट लैंड स्कैम में 16 स्थानों पर छापेमारी की, जहां 103 एकड़ संरक्षित वन भूमि पर अवैध कब्जा और बिक्री का आरोप था, और इसमें अधिकारियों की मिलीभगत का जिक्र था। इसी तरह, जुलाई 2025 में बोकारो डीसी ने लैंड माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे, लेकिन गरगा नदी के मामले में यह निष्क्रियता जारी है। दिसंबर 2024 में बोकारो डीएफओ ने एसपी को लैंड माफिया की धमकियों के बारे में पत्र लिखा था, जो दर्शाता है कि समस्या गहरी है।

यह समस्या वर्षों पुरानी है, जहां विभिन्न रिपोर्ट्स में उल्लेख है कि गरगा नदी पर प्रभावशाली लोग, रिटायर्ड अधिकारी और दबंगों द्वारा कब्जा किया जा रहा है। 2013 में टेलीग्राफ इंडिया की रिपोर्ट में चास में गरगा नदी के बेड पर 103 अवैध निर्माणों का जिक्र था, जिसके बाद डेमोलिशन के आदेश दिए गए थे, लेकिन पूरी तरह अमल नहीं हुआ।

2022 में 101 रिपोर्टर्स ने बोकारो में रियल एस्टेट माफिया द्वारा वन भूमि पर अतिक्रमण की बात कही थी।

लोगों की मांग है कि बोकारो प्रशासन तत्काल सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाए, पार्क को मंजूरी दे और नदी को सुरक्षित बनाए। यदि कार्रवाई नहीं हुई तो यह ऐतिहासिक धरोहर धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी, जिसका नुकसान आने वाली पीढ़ियां भुगतेंगी। सोशल मीडिया पर उठ रही आवाजें, जैसे मानवाधिकार कार्यकर्ता सह पत्रकार हुसैन साजिद की 16 फरवरी 2026 की पोस्ट जिसमें झारखंड सरकार के भू राजस्व मंत्री दीपक बिरुवा को टैग कर अवैध निर्माण जारी होने की शिकायत की गई, दर्शाती हैं कि जनता अब चुप नहीं बैठेगी। प्रशासन की निष्क्रियता और चुनावी व्यस्तता का फायदा उठाकर भू-माफिया सरकारी जमीन पर दखल कब्जा बनाए हुए हैं, जो न केवल पर्यावरणीय आपदा है बल्कि प्रशासनिक विफलता का प्रमाण भी है। अब समय आ गया है कि राज्यपाल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्थानीय प्रशासन इस मुद्दे पर सख्त कदम उठाएं, अन्यथा बोकारो की जीवनरेखा हमेशा के लिए सूख जाएगी।

हथियार की तरह हो रहा दुनिया में चीजों का इस्तेमाल

- ग्लोबल इकनॉमिक सम्मेलन में बोले विदेश मंत्री जयशंकर

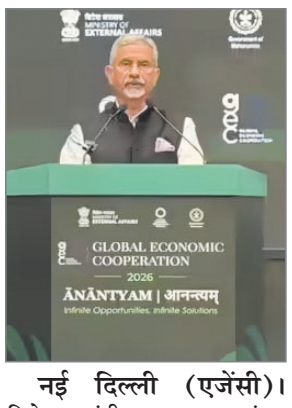

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को मुंबई स्थित ग्लोबल इकोनॉमिक कोऑपरेशन कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। इसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। इस दौरान जयशंकर ने कहा कि भारत अब दुनिया के साथ मजबूती से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए व्यापार समझौतों से यह साफ दिखता है।

अमेरिका के साथ भी एक समझौता हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया में चीजों का इस्तेमाल हथियार की तरह हो रहा है। उत्पादन, पैसा और बाजार की ताकत का गलत इस्तेमाल हो रहा है। देशों ने निर्यात पर भी सख्ती कर दी है। उन्होंने कहा, भारत अब मजबूत स्थिति में है और दुनिया के देशों से ज्यादा जुड़ रहा है। हाल ही में हुए व्यापार समझौते इसका सबूत हैं।

जयशंकर ने यह भी बताया कि दुनिया एक मुश्किल और अनिश्चित दौर में पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि शायद यह हमारी जिंदगी का सबसे अधिक उथल-पुथल वाला दौर है। विदेश मंत्री ने कहा कि पुरानी व्यवस्थाएं बदल रही हैं। इसके विकल्प तैयार करना मुश्किल है और ऐसा प्रतीत होता है कि हम एक अनिश्चितता के लंबे दौर की ओर बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत के बाद, अमेरिका ने भारत के सामानों पर लगने वाले टैक्स को 50त्न से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। पिछले महीने भारत और यूरोपीय संघ के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी हो गई है।

पाकिस्तान आर्मी के चेक पोस्ट को हमलावर ने उड़ाया

- बम धमाके में 11 सैनिकों की मौत,भारत पर मढ़े आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को हुए एक बम धमाके में आर्मी के 11 जवानों की मौत हो गई है। यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में आर्मी चेक पोस्ट पर हुआ है। खुदकुश हमलावर ने विस्फोटक के भरी कार को चेक पोस्ट से टकराकर उड़ा दिया। इसकी चपेट में आकर यहां मौजूद 11 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। वहीं कई अन्य लोग इस हमले में घायल हुए हैं। पाकिस्तानी सेना की ओर से मंगलवार को जारी बयान में कहा गया है कि 16 फरवरी को बाजौर जिले में सुरक्षा बलों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के जॉइंट चेक पोस्ट पर हमला किया गया है। पाकिस्तानी आर्मी ने इस हमले के लिए तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) को जिम्मेदार बताया है। पाक सेना ने आरोप लगाया कि टीटीपी ने भारत की मदद से हमला किया है।

पाक सेना का 12 हमलावरों को मारने का दावा- पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि हमले के बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और 12 हमलावरों को मार दिया गया। सेना ने कहा है कि धमाके से चेक पोस्ट की आस-पास की रिहायशी इमारतों के शीशे टूट गए। घटना में एक आम शहरी

की मौत और महिलाओं-बच्चों समेत सात के घायल होने की बात सेना ने कही है। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि चेक पोस्ट पर इंडियन प्रॉक्सी टीटीपी के हमलावरों ने हमला करते हुए अंदर जाने की कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने उन पर गोलीबारी की तो हमलावरों ने विस्फोटक से भरी गाड़ी को दीवार से टकरा दिया।

11 सुरक्षाकर्मियों के अलावा एक छोटी बच्ची की मौत की बात पाक आर्मी ने कही है। पाकिस्तानी सेना के बयान में पूरी तरह के भारत पर अपनी नाकामी का ठीकरा फोड़ा गया है। बयान में कहा गया है कि भारतीय स्पॉन्सर्ड आतंकियों को खत्म करने के लिए ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। अज्म-ए-इस्तेहकाम के तहत लगातार काउंटर टेररिज्म कैंपेन चला रही हैं। यह हमला बाजौर जिले की वार मामुंड तहसील में पुलिस स्टेशन पर हमले में स्टेशन हाउस ऑफीसर की मौत होने के कुछ दिन बाद हुआ है।

'हाई' आदेश,बंगाल सरकार जवानों से स्कूल खाली कराए

- सीआईएसएफ को 18 कमरे मिले थे,आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप के बाद तैनात हुए थे

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाइकोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में सुरक्षा में लगे सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स जवानों को चीनी भाषा स्कूल में रहने के लिए दी गई जगह खाली कराई जाए। शहर के चाइना टाउन स्थित पेई मेई चाइनीज स्कूल में जवानों को रहने के लिए 18 कमरे दिए गए थे। सीआईएसएफ जवान यहां सितंबर 2024 से रहे हैं। 9 अगस्त 2024 को एक ऑन-ड्यूटी पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी के रेप और हत्या के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जवानों को को तैनात किया गया था। कोर्ट से नियुक्त स्पेशल ऑफीसर ने जस्टिस कृष्ण राव को बताया कि स्कूल के कुल 18 कमरों में से आठ कमरे 17 फरवरी को चीनी नववर्ष मनाने के लिए अधिकारियों को सौंप दिए गए थे।

- **क्लास शुरू कराने के लिए स्कूल ने दी थी अर्जी-** कोलकाता के पेई मेई चीनी भाषा स्कूल के अधिकारियों ने हाइकोर्ट में अर्जी दी थी। इसमें चाइना टाउन में उनकी प्रॉपर्टी में रह रहे सीआई एसएफ जवानों को क्लास फिर से शुरू करने के लिए जगह खाली करने का आदेश दिए जाने की मांग की गई थी।

सोनिया ने 2014 में मुझे शपथ ग्रहण की तारीख तय करने को कहा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम कांग्रेस में बवाल मचा हुआ है। असम कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा ने इस्तीफा दे दिया। हालांकि कुछ घंटे बाद उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया, लेकिन अभी भी पार्टी में दरार खत्म नहीं हुई है। इस बीच मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक बड़ा बयान देकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। हिमंता ने पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि सोनिया गांधी ने उनसे 2014 में शपथ ग्रहण की तारीख तय करने को कहा था। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, जब 2014 में 58 विधायकों ने असम के मुख्यमंत्री के रूप में मेरा समर्थन किया था, तब सोनिया गांधी ने मुझसे शपथ ग्रहण की तारीख तय करने को कहा था।

पांच सालों में हाईटेक होगी पुलिस

एआई रोबोट करेगा क्राइम पर कंट्रोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक नई स्टडी के अनुसार, पुलिस डिपार्टमेंट अगले दो साल में अपने बेसिक पेट्रोलिंग कामों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैपेबिलिटी वाले पुलिस रोबोट का इस्तेमाल करना शुरू कर देंगे। साइंटिस्ट का मानना है कि एडवांस्ड रोबोटिक सिस्टम पुलिस ऑफीसर को क्रिमिनल एक्टिविटी को रोकने, सस्पेक्ट को ट्रैक करने और हाई-रिस्क मिशन करने में मदद करेंगे। 1987 की साइंस फिक्शन मूवी रोबोकॉप

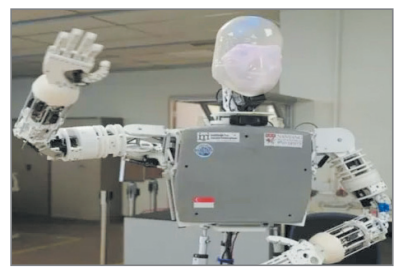

ने लोगों को एआई पुलिसिंग टेक्नोलॉजी और ह्यूमनॉइड रोबोट डेवलपमेंट से इंट्रोड्यूस कराया, जिससे लॉ एनफोर्समेंट के भविष्य को लेकर एक्साइटमेंट और चिंता दोनों पैदा हुई। यूनिवर्सिटी ऑफ डेलावेयर के प्रोफेसर इवान सन ने एरिज़ोना में अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस कॉन्फ्रेंस में बताया कि रोबोटिक ऑफिसर जल्द ही बम डिस्पोजल रोल से आगे बढ़ सकते हैं।

चुनाव से पहले 'अपने' ही बढ़ा रहे कांग्रेस की टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले कुछ महीनों में होने वाले 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी की मुसीबत उनके अपने ही बढ़ा रहे हैं। इनमें से कुछ अब पार्टी में रहे नहीं और कुछ नेताओं को पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। एक दिन पहले असम और केरल राज्य की गूंज पार्टी के भीतर सुनाई पड़ी। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने अपनी उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया हालांकि बाद में उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया। वहीं दूसरी ओर केरल का जिक्र कर पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने राहुल गांधी समेत दूसरे नेताओं पर हमला बोला। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने मणिशंकर अय्यर के पिनराई विजयन फिर बनेंगे केरल के सीएम वाले बयान पर कहा कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और उनकी कोई नाराजगी है तो उसे पार्टी को दूर करना चाहिए। सिर्फ ये दो नेता ही नहीं पार्टी के कुछ और नेताओं ने भी कुछ समय पहले राहुल गांधी पर सीधे निशाना साधा।

राहुल गांधी पर सवाल,कई राज्यों से तीखे आ रहे बयान

मैं राहुलवादी नहीं... अय्यर ने ऐसे साधा निशाना- कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने केरल सीएम को लेकर जो बयान दिया उसके बाद कांग्रेस की ओर से कहा गया कि वह कुछ वर्षों से पार्टी में नहीं हैं। हालांकि अय्यर यहीं नहीं रुकने वाले थे उन्होंने पवन खेड़ा, जयराम रमेश और शशि थरूर पर जमकर भड़ास निकाली। मणिशंकर अय्यर ने केसी वेणुगोपाल को राउडी और खुद को नेहरूवादी, गांधीवादी और राजीववादी बताया। मगर राहुलवादी होने से मना कर दिया। अय्यर ने तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य शशि थरूर को सिद्धांतहीन अवसरवादी करार दिया, जबकि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल को अक्खड़ बताया। उन्होंने केरल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला पर भी हमला बोला।

असम चुनाव से पहले कांग्रेस में घमासान- असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा के इस्तीफे की घोषणा कर दी और इसे आत्मसम्मान से जोड़ दिया। बोरा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना त्यागपत्र भेज दिया । खरगे को लिखे पत्र में उन्होंने दावा किया है कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उनकी अनदेखी की जा रही है। हालांकि भूपेन बोरा ने पार्टी आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। बोरा के इस्तीफा देने के बाद पार्टी की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने बोरा से उनके आवास पर मुलाकात की। इस बीच बोरा ने अपने आवास के बाहर बातचीत की।

कांग्रेस के हार की कर दी भविष्यवाणी

पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद राहुल गांधी पर लगातार हमलावर हैं। नवजोत कौर ने हाल ही में कहा कि राहुल गांधी के पास जमीनी हकीकत सुनने के लिए न तो समय है और न ही कान है। वह अपनी बनाई हुई दुनिया में रहना पसंद करते हैं। नवजोत कौर ने आज एक बार फिर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके काम और बातें बिल्कुल विपरीत हैं। नवजोत कौर ने पंजाब में कांग्रेस के हार की भविष्यवाणी भी कर दी। पिछले दिनों उन्होंने राहुल गांधी को पप्पू तक कह दिया था।

जी-23 के कई नेता भी उठा चुके हैं सवाल

जी-23 (कांग्रेस पार्टी के भीतर 23 नेताओं का एक समूह) एक वक्त इस गुट की काफी चर्चा हुई। हालांकि इसमें शामिल कई नेता आज की तारीख में पार्टी छोड़ चुके हैं। यह पार्टी के भीतर ही कुछ वरिष्ठ नेताओं का एक गुट था, जिन्होंने अगस्त 2020 में पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर व्यापक संगठनात्मक सुधारों की मांग की थी। हालांकि यह पत्र सोनिया गांधी को संबोधित था, लेकिन इसे व्यापक रूप से गांधी परिवार के नेतृत्व में पार्टी के कामकाज की आलोचना के रूप में देखा गया, जिसमें राहुल गांधी भी शामिल थे।

मैं राहुल गांधी का विरोधी नहीं लेकिन...

बिहार विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी छोड़ चुके पूर्व कांग्रेसी शकील अहमद भी राहुल गांधी की कार्यशैली पर सवाल उठा चुके हैं। डॉ. शकील अहमद ने पूर्व में पार्टी की लगातार हार, राहुल गांधी की लीडरशिप पर खुलकर बोल चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे राहुल गांधी के विरोधी नहीं हैं, लेकिन पार्टी की भलाई के लिए सच्ची बात कहना जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

कूड़े का सही निस्तारण, सबके सहयोग से ही मिलेगी स्वच्छता में अच्छी रैंकिंग

रांची, एजेंसी। रांची नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत शहर की स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर अपर प्रशासक संजय कुमार की अध्यक्षता में सभी रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) एवं बल्क वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजी) प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें स्वच्छ सर्वेक्षण के विभिन्न इंडिकेटर्स की जानकारी देते हुए सुझाव आमंत्रित किए गए। अपर प्रशासक ने कहा कि उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए नागरिकों की भागीदारी जरूरी है और सभी के सहयोग से रैंकिंग बेहतर करने का प्रयास करें।

इधर, निगम ने 6 प्रतिष्ठानों पर ठोंका जुर्माना : रांची नगर निगम ने शहर में अवैध रूप से कूड़ा डंप करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। रांची स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से 16 फरवरी को मॉनिटरिंग के दौरान सहायक प्रशासक चंद्रदीप कुमार ने छह प्रतिष्ठानों को सड़क पर कूड़ा फेंकते हुए पकड़ा। निगम की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कुल 12 हजार रुपए का जुर्माना वसूला। ज्योति संगम लेन, मस्जिद गली, अपर बाजार में इस स्थान को लोगों ने पेशाबखाना बना दिया है। गंदगी और बदबू से लोग परेशान हैं, नगर निगम से इसे रोकने की मांग की है।

दुमका में तीन अपराधी गिरफ्तार, सड़क निर्माण कंपनी के संवेदक से मांगी थी रंगदारी

दुमका, एजेंसी। जिला पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. सड़क निर्माण कंपनी के संवेदक से रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और चाकू भी बरामद किए गए हैं. इस पूरे मामले में स्नढ्ढक्रदर्ज की गई और गिरफ्तार अपराधियों को जेल भेज दिया गया.

पुलिस के अनुसार पिछले तीन-चार दिनों से गुप्त सूचना प्राप्त हो रही थी कि रामगढ़ थाना क्षेत्र के नौनीहाट-सिन्दुरिया के बीच रोड बनाने वाली कंपनी के ठेकेदारों से कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा रंगदारी और लेवी वसूली के लिए धमकी दी जा रही है. इस संबंध में संबंधित क्षेत्रों के चौकीदारों और गुप्तचरों को तैनात करते हुए निगरानी रखी जा रही थी. इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि ग्राम नौखेता के समीप पहाड़ी एरिया के पास पांच-छह व्यक्ति इकट्ठा होकर आपराधिक योजना बना रहे हैं. साथ ही उनलोगों के पास आग्नेयास्त्र भी देखा गया. इस सूचना के संबंध में आगे की कार्रवाई करते हुए नौखेता पहाड़ के समीप पुलिस टीम ने दबिश दी. वहां पांच अपराधी बैठकर अपराध की योजना बना रहे थे. पुलिस टीम को देखकर लोग भागने लगे, जिसमें पुलिस ने मौके पर से तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया. जिसकी पहचान देवनारायण सिंह उर्फ गणेश पहाड़िया (35 वर्ष), गांव - ठेंगीमोड़, थाना- रामगढ़ , जिला - दुमका, माधव आचार्य (28 वर्ष) ग्राम - धरमपुर, थाना - रामगढ़, जिला - दुमका और नरेश कुमार मंडल (26 वर्ष) गांव - सिन्दुरिया , थाना - रामगढ़, जिला - दुमका के रूप में हुई है. जबकि दो अपराधी पारण मिर्धा और अर्जुन मिर्धा जंगल का फायदा उठाते हुए फरार हो गए. इस कार्रवाई का नेतृत्व रामगढ़ के थाना प्रभारी मनीष कुमार ने किया. उन्होंने बताया कि मामले में तीन अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है. जबकि दो लोग भागने में सफल हुए हैं. हालांकि उनकी खोजबीन जारी है. जल्द उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

गुमला में बॉक्साइट लदे ट्रक ने मारी टक्कर

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना देवाकी मोड़ के समीप उस समय हुई, जब कुगाव ग्राम निवासी सरोज सिंह मोटरसाइकिल से आदर की ओर से अपने घर लौट रहे थे। उसी दिशा से आ रहे बॉक्साइट लदे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि ट्रक का पहिया युवक के ऊपर से गुजर गया, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही घाघरा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मंगलवार को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर थाना लाया गया है। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है और ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि देवाकी मोड़ के आसपास भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ी है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। जिला प्रशासन की ओर से डीसी प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर वाहन जांच और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, बावजूद इसके हादसों में कमी नहीं आ रही है।

नगर निगम चुनावः

मानगो और जुगसलाई की कमान संभाले सरयू राय

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर के जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र चुनाव में सरगर्मी तेज हो गई है. एनडीए समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में नेताओं का दौरा शुरू हो गया है. प्रचार के दौरान जदयू विधायक सरयू राय ने कहा कि जो शक्तियां देश को तोड़ना चाहती हैं जिन्हें वंदे मातरम बोलने से परहेज है जनता उन्हें जवाब देगी. वहीं, क्षेत्र की एक प्रत्याशी ने कहा कि उनके इलाके में एक बड़े नेता से भय का माहौल बनाया जा रहा है, लेकिन हम डरेंगे नहीं.

जमशेदपुर में मानगो नगर निगम और जुगसलाई नगर परिषद का चुनाव दिलचस्प होता जा रहा है. दोनों ही क्षेत्र में अब राजनीतिक दल के नेता खुलकर सामने आने लगे हैं. इधर जमशेदपुर पश्चिम के जदयू विधायक सरयू राय अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मानगो नगर निगम चुनाव में मेयर पद की प्रत्याशी के पक्ष में और दूसरी तरफ जुगसलाई नगर परिषद में एनडीए समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी मैदान में उतर पड़े हैं. जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र में एक खास वर्ग से दो प्रत्याशी आमने-सामने हैं, एक तरफ झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान की पत्नी नौशीन खान और दूसरी तरफ नीलोफर हुसैन मेयर पद की प्रत्याशी हैं. नीलोफर हुसैन ने जुगसलाई में पदयात्रा की और अपने समर्थन में वोट मांगे.

इस दौरान उन्होंने बताया कि उनके क्षेत्र में जो प्रत्याशी खड़ी हैं उनके पति झारखंड के एक बड़े नेता हैं जिनके द्वारा भय का माहौल बनाया जा रहा है, ताकि जनता मेरे पक्ष में वोट न करे. उन्हें जेएमएम का समर्थन नहीं मिल रहा है, जिससे वह बौखलाए हुए हैं. लेकिन मैं डरूंगी नहीं चुनाव लड़ूंगी.

नीलोफर हुसैन ने आंकड़े बताते हुए कहा कि जुगसलाई में एनडीए समर्थित प्रत्याशी के साथ अन्य और भी प्रत्याशी हैं, जिससे वोट बंटेगा. लेकिन जुगसलाई के एक दूसरे हिस्से में जो आबादी है, उसका एक तरफा वोट उन्हें मिलेगा जिससे उनकी जीत सुनिश्चित है. उन्होंने कहा कि वह जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र के विकास के लिए बेहतर काम करेंगी. वह हर हाल में एनडीए समर्थित प्रत्याशी को हराना चाहती हैं. इधर, जमशेदपुर पश्चिम के जदयू विधायक सरयू राय मानगो में एनडीए समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने के बाद देर शाम जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र पहुंचे और एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में पदयात्रा की. उन्होंने लोगों से समर्थन की अपील की है. बातचीत के दौरान सरयू राय ने कहा कि लंबे समय के बाद यहां निकाय चुनाव हो रहा है. इसलिए जनता में उत्साह है. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जुगसलाई और मानगो में कुछ ऐसी शक्तियां हैं, जो देश विरोधी हैं. वह वंदे मातरम बोलने से परहेज करती हैं. राष्ट्रवादी शक्तियों ऐसे लोगों को सबक सिखाएंगी.

विधायक सरयू राय ने साफ तौर पर कहा कि एनडीए जाति धर्म के आधार पर चुनाव नहीं लड़ती है. इसमें सभी धर्म के लोगों का सम्मान है. उन्होंने बताया कि चुनाव आते-आते सब स्पष्ट हो जाएगा. सभी धर्मों में अच्छी सोच के लोग हैं और उनका समर्थन एनडीए को मिलेगा, क्योंकि एनडीए कौम के आधार पर वोट नहीं मांगती है. जुगसलाई नगर परिषद में कुल 44239 वोटर्स हैं, जिनमें मुस्लिम के 21 हजार वोटर्स हैं. वहां नौशीन खान और नीलोफर हुसैन आमने-सामने हैं. वहीं, जुगसलाई के दूसरे क्षेत्र में चार प्रत्याशी आमने-सामने हैं.

रामगढ़ में टेंपो पलटा, पति की मौत, पत्नी गंभीर

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ थाना क्षेत्र के माया डूंगरी के समीप एक थ्री व्हीलर टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना रात करीब 9 :50 बजे हुई। हादसे में कोर्चे गांव निवासी दांदु मुंडा (55) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी सरूंन देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टेंपो (नंबर छ्व ॥01स्नक्र9086) अचानक संतुलन खो बैठा और सड़क किनारे पलट गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि टेंपो चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। दुर्घटना के तुरंत बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और घायल सरूंन देवी को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस को सूचना दिए जाने पर टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फरार चालक की तलाश में छापेमारी की जा रही है। बताया गया है कि दांदु मुंडा ईंट भट्ठा में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। वे पत्नी के साथ दांतू क्षेत्र में आयोजित मेले से लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। अचानक हुई इस दुर्घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषी चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रांची से दुर्ग के लिए मिली स्पेशल ट्रेन

छत्तीसगढ़ जाने वाले यात्री को राहत

रांची, एजेंसी। होली के मद्देनजर हटिया से दुर्ग के बीच ट्रेन संख्या 08185 हटिया-दुर्ग स्पेशल 3 मार्च से 31 मार्च 2026 तक प्रत्येक मंगलवार और गुरुवार को चलेगी। वहीं, वापसी में 08186 दुर्ग-हटिया स्पेशल 4 मार्च से 1 अप्रैल तक बुधवार और शुक्रवार को चलेगी। इस विशेष ट्रेन के चलने से रांची और छत्तीसगढ़ जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। मालूम हो कि होली के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेल मंत्रालय ने ट्रेन संख्या 02832/ 02831 भुवनेश्वर -धनबाद -भुवनेश्वर (वाया रांची) को होली स्पेशल का रूप दिया है। इसके परिचालन अवधि में विस्तार किया गया है।

ट्रेन संख्या 02832 भुवनेश्वर-धनबाद होली स्पेशल 28 फरवरी से 31 मार्च तक प्रतिदिन भुवनेश्वर से प्रस्थान करेगी और एक मार्च से एक अप्रैल तक प्रतिदिन धनबाद से प्रस्थान करेगी।

टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग चांडिल-मुरी होकर चलेगी वहीं, आद्रा मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण रांची-हटिया एवं आसपास के क्षेत्रों में रेल सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित रहेंगी।

18601 टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस 17, 18 और 21 फरवरी 2026 को परिवर्तित मार्ग चांडिल-मुरी होकर चलेगी, जिससे रांची और हटिया आने-जाने वाले यात्रियों को समय में बदलाव का सामना करना पड़ सकता है।

बोकारो स्टील सिटी में शॉर्ट टर्मिनेट होगी 13503/13504 वर्धमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस 16 और 17 फरवरी को एनएससीबी गोमो स्टेशन तक ही संचालित होगी। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर- 18019/18020 झाड़ग्राम-धनबाद एक्सप्रेस 16 व 17 फरवरी को बोकारो स्टील सिटी में शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

ट्रेन नंबर- 68056/68060 टाटा-आसनसोल-बराभूम मेमू 17 और 21 फरवरी को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। ट्रेन नंबर- 18601 टाटा-हटिया एक्सप्रेस 17,18 व 21 फरवरी को चांडिल से पुरुलिया-कोटशिला के बजाय गंडाबिहार होकर मुरी जाएगी।

भाजपा ने झामुमो को दिया जोरदार झटका, पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां को कराया पार्टी में शामिल

रांची, एजेंसी। महाशिवरात्रि के दिन झारखंड प्रदेश भाजपा ने झामुमो को बड़ा झटका दिया। झामुमो के कद्दावर नेता एवं पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां के साथ भुइयां समाज के सैकड़ों समर्थक भाजपा में शामिल हुए। रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। दोपहर डेढ़ बजे दुलाल भुइयां अपने समर्थकों के साथ पार्टी कार्यालय पहुंचे। यहां प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मंत्री बाबूलाल मरांडी ने उन्हें और उनके साथ आए समर्थकों को भाजपा की सदस्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया।

भाजपा में शामिल होने के बाद दुलाल भुइयां ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने पार्टी में शामिल होने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि आज झारखंड के हजारों भुइयां समाज के लोग भाजपा में शामिल हुए हैं। उन्होंने वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार को विकास विरोधी बताते हुए कहा कि आने वाले दिनों में झारखंड में भाजपा की मजबूत सरकार बनेगी।

दुलाल भुइयां ने आगे कहा कि वे करीब 30 वर्षों तक झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े रहे और एक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में लंबा राजनीतिक सफर तय किया। उनका आरोप है कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अस्वस्थ होने के बाद पार्टी की दिशा बदल गई और संगठन को 'हाइजैक' कर लिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को केंद्रीय पदों पर बैठाया गया, जिन्हें न झारखंड की समझ है और न ही पार्टी की बुनियादी विचारधारा का ज्ञान। उन्होंने बताया कि 2009 के विधानसभा चुनाव में झामुमो प्रत्याशी के रूप में उन्होंने चुनाव में हिस्सा लिया था, लेकिन आजसू के रामचंद्र सहिस से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सिदगोड़ा टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में झामुमो नेताओं के साथ उनका विवाद हुआ और उन्होंने पार्टी छोड़ दी। इसके बाद वे झाविमो में शामिल हुए। दुलाल भुइयां वर्ष 2005 से 2009 तक झारखंड सरकार में भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री रहे। लगातार तीन बार विधायक और दो बार मंत्री रह चुके भुइयां अब भाजपा के साथ नई राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि दुलाल भुइयां के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को लाभ मिलेगा और भुइयां समाज के लाखों लोग भाजपा से जुड़ेंगे।

हाथियों के हमले में हुए नुकसान का मुआवजा 10-12 दिनों के अंदर कर दें : संजीव कुमार

रांची, एजेंसी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) संजीव कुमार ने वन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि हाथियों के हमले में हुए नुकसान का मुआवजा 10 दिन के अंदर करें। सोमवार को पीसीसीएफ ने वन अधिकारियों के साथ बैठक की। कहा, हाथियों के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा की जिम्मेवारी भी वन विभाग की है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है हाथी एवं जंगली जानवरों द्वारा हमले, दुर्घटना, मृत्यु की स्थिति में किसी भी हाल में 12 दिनों के अंदर मुआवजे का भुगतान किया जाए। पर, हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि हम 10 दिन के अंदर ही मुआवजे का भुगतान कर दें। वन्य जीव हमले की रोकथाम में स्थानीय ग्रामीण की सहभागिता बढ़ाई जाए। इससे इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है। ग्रामीणों को जागरूक करें। उन्हें उपाय बताएं। उपकरण और सामग्री उपलब्ध कराएं। 30 मिनट के अंदर क्विक रिस्पांस टीम घटनास्थल पर पहुंचे।

उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 680 के आसपास हाथी है। उनकी तथा मानव दोनों की सुरक्षा की जिम्मेवारी वन विभाग पर है। कॉरिडोर मैपिंग हो चुकी है। आधारभूत संरचना विकसित करें। उपकरणों की खरीद करें। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य प्राणी, रवि रंजन, मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी झारखंड एसआर नटेश, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रशासन बनकर अजिंक्य सहित सभी वन प्रमंडल पदाधिकारी मौजूद थे।

पीसीसीएफ (वन्य प्राणी) रवि रंजन ने कहा कि सभी वन प्रमंडल पदाधिकारी आपस में समन्वय बना कर काम करें। केवल अपने वन प्रमंडल की रक्षा के लिए हाथी को न भगाएं। हाथी को शांत करने का प्रयास करें। त्वरित कार्यबल हाथी के साथ-साथ चले और यदि हाथी दूसरे वन प्रमंडल में प्रवेश करता है, तो दूसरे वन प्रमंडल की टीम साथ मिलकर कार्य करें। मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी एसआर नटेश ने कहा कि चेक डैम के निर्माण घास का मैदान पूरे राज्य में विकसित करने का प्रयास किया जाए।

चुनाव प्रचार खत्म होते ही बंद होगी शराब की बिक्री

रांची, एजेंसी। नगर निकाय चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने मतदान से पहले ड्राई डे घोषित कर दिया है। 23 फरवरी को होने वाले मतदान को देखते हुए संबंधित क्षेत्रों में शराब की बिक्री, परोसने और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 21 फरवरी अपराह्न 5 :00 बजे से 24 फरवरी प्रात : 7 :00 बजे तक सभी प्रकार की शराब की खुदरा बिक्री और सेवा प्रतिबंधित रहेगी। इस अवधि में खुदरा शराब दुकानें, बार, रेस्टोरेंट, क्लब, खुदरा कैंटीन तथा झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के डिपो एवं गोदाम बंद रहेंगे।

शराब के नशे में निलंबित सीओ ने चलाई थार:लातेहार में शिव बारातियों को मारी टक्कर

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र के पचफेड़ी के पास महाशिवरात्रि के अवसर पर निकली शिव बारात के दौरान रविवार देर शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक अनियंत्रित थार वाहन ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। थार (जेएच-01 ईवाई-0049) मेदिनीनगर से रांची की ओर जा रही थी। वाहन को गढ़वा जिले के मझिआंव अंचल के निलंबित अंचल अधिकारी प्रमोद कुमार चला रहे थे।

बताया जाता है कि प्रमोद कुमार नशे की हालत में थे। वाहन में उसके साथ एक महिला भी सवार थी। शिव बारात की झांकी देख रहे श्रद्धालुओं के बीच वाहन ने एक बाइक और एक चारपहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ, लेकिन टक्कर से मौके पर हड़कंप मच गया।

थार पर लगा था 'डिप्टी कलेक्टर' का बोर्ड

घटना के बाद लोगों ने देखा कि थार पर 'डिप्टी कलेक्टर' का बोर्ड लगा हुआ था और अंदर 'प्रशासन' लिखा हुआ है। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। स्थिति बिगड़ती देख मनिका थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सूझबूझ दिखाते हुए प्रमोद कुमार को भीड़ से सुरक्षित निकालकर वाहन समेत हिरासत में ले लिया। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

महिला के साथ रंगेहाथ धराए थे प्रमोद कुमार

गढ़वा जिले के मांझिआव अंचल में कार्यरत प्रशासनिक अधिकारी प्रमोद कुमार को राज्य सरकार ने 4 नवंबर, 2025 को पैसा का लेनदेन, कार्यालय में शराब सेवन, कार्यालय आए लोगों से दुर्व्यवहार समेत अन्य कई आरोप में कार्रवाई की थी। यह भी मालूम हो कि प्रमोद कुमार की पत्नी श्यामा रानी ने अंचलाधिकारी के सरकारी आवास में एक महिला के साथ रंगे हाथ पकड़े जाने का मामला काफी चर्चा का विषय बना था।

नशे की हालत में था चालक

जानकारी के अनुसार, थार (जेएच-01 ईवाई-0049) मेदिनीनगर से रांची की ओर जा रही थी। वाहन गढ़वा जिले के मझिआंव अंचल के निलंबित अंचल अधिकारी प्रमोद कुमार चला रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चालक नशे की हालत में था और वाहन में एक महिला भी सवार थी। इस दौरान शिव बारात की झांकी देख रहे श्रद्धालुओं के बीच वाहन ने एक बाइक और एक चारपहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वहां मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया।

पुलिस हिरासत में आरोपी

घटना के बाद लोगों ने देखा कि थार पर 'डिप्टी कलेक्टर' का बोर्ड लगा हुआ था और वाहन के अंदर 'प्रशासन' लिखा था। इसे देखकर भीड़ और अधिक उग्र हो गई। स्थिति बिगड़ती देख मनिका थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और चालक को भीड़ से सुरक्षित निकालकर वाहन समेत हिरासत में ले लिया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक प्रमोद कुमार मनिका थाना में पुलिस हिरासत में थे। पूछे जाने पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद रेल मंडल में ट्रैक पर हाथियों का कब्जा, हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस समेत 9 ट्रेनों का रूट बदला

धनबाद, एजेंसी। झारखंड में हाथी और मानव के बीच टकराव एक गंभीर समस्या है। पिछले एक महीने में ही तीन दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हाथी हमले में हो गई है। इस बीच सोमवार की देर शाम पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद रेल मंडल में एक अजीबोगरीब घटना घटी। हाथी झुंड ने रेलवे ट्रैक पर डेरा डाल दिया। इसके बाद रेल प्रबंधन के हाथ-पांव फुल गए।

रेलवे ट्रैक पर हाथी झुंड आ जाने के कारण धनबाद से डालटनगंज मार्ग पर ट्रेनों के पहिए थम गए। धनबाद रेल मंडल के महुआमिलान से निद्रा के बीच डाउन लाइन पर हाथी की चहल कदमी के कारण पहले काफी देर तक ट्रेनों का परिचालन रोक गया। बाद में रेल प्रशासन से निर्देश पर ट्रेनों के मार्ग बदल दिए गए।

धनबाद होकर रवाना हुई 13025 हावड़ा भोपाल एक्सप्रेस को पहले बरकाकाना स्टेशन पर रोका गया। बाद में बरकाकाना से हजारीबाग टाउन, कोडरमा और गया के रास्ते चलाया गया। इसी तरह अन्य ट्रेनों का भी मार्ग बदला गया। 11448 हावड़ा जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस बरकाकाना, हजारीबाग टाउन, कोडरमा व गया होकर, 12877 रांची नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस बरकाकाना, हजारीबाग टाउन, कोडरमा व गया होकर, 13347 बरकाकाना पटना पलामू एक्सप्रेस बरकाकाना, हजारीबाग टाउन, कोडरमा और गया होकर, 18635 रांची सासाराम एक्सप्रेस बरकाकाना, हजारीबाग टाउन और कोडरमा और गया होकर, 18611 रांची वाराणसी एक्सप्रेस बरकाकाना, हजारीबाग टाउन, कोडरमा, गया होकर, 18309 संबलपुर जम्मूतवी एक्सप्रेस बरकाकाना, हजारीबाग टाउन, कोडरमा व गया होकर, 18524 बनारस विशाखापट्टनम एक्सप्रेस गढ़वा रोड, गया, गोमो, बोकारो व मूरी होकर, 21894 पटना टाटा वंदे भारत एक्सप्रेस गढ़वा रोड, गया, गोमो, बोकारो और मूरी होकर तथा 13348 पटना बरकाकाना पलामू एक्सप्रेस गया, कोडरमा, हजारीबाग टाउन और बरकाकाना होकर चलाने की सूचना जारी की गई।

धनबाद मेयर चुनाव: खर्च में इंदु देवी सबसे आगे, 23 को है मतदान

धनबाद, एजेंसी। धनबाद नगर निगम चुनाव में मेयर पद के प्रत्याशियों को कुल 25 लाख रुपये तक खर्च करने का अधिकार निर्वाचन आयोग ने दिया है। 23 फरवरी को मतदान है। मतदान में महज छह दिन शेष हैं। ऐसे में मेयर पद के प्रत्याशियों ने अपना चुनावी खर्च भी व्यय प्रेक्षक को सौपना शुरू कर दिया है।

अब तक सबसे अधिक राशि 14.96 लाख रुपये पूर्व मेयर इंदु देवी ने खर्च कर दिया है। जबकि सबसे कम भाजपा समर्थित प्रत्याशी संजीव कुमार ने किया है। संजीव कुमार ने 5.27 लाख रुपये ही खर्च किए हैं। इसके अलावा झामुमो समर्थित प्रत्याशी चंद्रशेखर अग्रवाल खर्च के मामले में दूसरे स्थान पर हैं।

उन्होंने 9.59 लाख रुपये खर्च किए हैं। इसी प्रकार से भाजपा से बगावत कर मेयर चुनाव लड़ने वाले झरिया विधायक रागिनी सिंह के पति संजीव सिंह ने 6.46 लाख और केके पालीटेक्निक के संचालक रवि चौधरी ने 6.59 लाख रुपये खर्च कर चुके हैं। वहीं मेयर पद के शेष बचे 23 प्रत्याशियों ने अभी अपना चुनावी खर्च उपलब्ध नहीं कराया है।

मालूम हो कि इंदु देवी धनबाद की प्रथम मेयर रह चुकी हैं। 2010 में उन्होंने मेयर का चुनाव जीता था, जब यह पद महिला के लिए आरक्षित था। 2015 में मेयर पद ओबीसी के लिए आरक्षित हो जाने के कारण चुनाव मैदान से बाहर हो गई। अबकी सामान्य सीट है। इसलिए फिर से चुनाव मैदान में हैं।

घूसखोर पंडत टाइटल विवाद: भाजपा नेता ने धनबाद थाना में दर्ज कराई शिकायत

धनबाद, एजेंसी। बॉलीवुड फिल्म 'घूसखोर पंडत' शीर्षक को लेकर देश के साथ साथ धनबाद में भी विरोध तेज हो गया है. भाजपा नेता मुकेश पांडेय ने सोमवार को अपने समर्थकों के साथ धनबाद थाना पहुंचकर फिल्म के खिलाफ लिखित आवेदन सौंपा और कानूनी कार्रवाई की मांग की. मुकेश पांडेय का कहना है कि फिल्म का नाम एक विशेष समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है. उन्होंने आरोप लगाया कि शीर्षक के माध्यम से ब्राह्मण समाज की छवि खराब करने की कोशिश की गई है. उनके अनुसार, इस तरह के नाम से पूरे समुदाय को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है. भाजपा नेता ने कहा कि फिल्म के निर्माता और निर्देशक को इस तरह की विषयवस्तु और शीर्षक से बचना चाहिए था. उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए उचित कानूनी कदम उठाए जाएं. जिससे भविष्य में ऐसे विवादित शीर्षकों पर नियंत्रण के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएं. मुकेश पांडेय ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक फिल्म के नाम और कथानक को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक इसकी रिलीज पर रोक लगाने पर विचार किया जाना चाहिए. उन्होंने संकेत दिया कि अगर जिला प्रशासन ने संज्ञान नहीं लिया तो समाज के लोग लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराएंगे.

सुप्रीम कोर्ट ने दैनिक माली की सेवा नियमित करने का आदेश बरकरार रखा

देवघर मार्केटिंग बोर्ड की अपील खारिज की

रांची, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने देवघर में 51 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी पर माली के रूप में काम करने वाले मोती राम की सेवा नियमित करने का आदेश को बरकरार रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत अपने विशेषाधिकार का प्रयोग करते हुए मार्केटिंग बोर्ड की एसएलपी खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के प्रार्थी को नियमित करने का आदेश को बरकरार रखा। प्रार्थी 24 साल से नियमित सेवा दे रहा है।

देवघर के बंपास टाउन निवासी मोती राम की नियुक्ति जून 2001 में देवघर मार्केटिंग बोर्ड में दैनिक वेतनभोगी माली के रूप में हुई थी। प्रशासनिक भवन के पास लगाए गए आम के 10 पौधों की देखभाल के लिए उन्हें रखा गया था। उस समय उनकी मजदूरी 51 रुपये प्रतिदिन तय की गई थी।

वर्ष 2015 में मोती राम ने मजदूरी बढ़ाने के लिए आवेदन दिया। इसमें उन्होंने बताया कि उन्हें मात्र 4346 रुपये मासिक मिलते हैं। इसके बाद तत्कालीन उपायुक्त ने मार्च 2015 में उनकी मजदूरी बढ़ाकर 7593 रुपये प्रतिमाह करने का आदेश दिया।

साल 2020 में जिला प्रशासन ने 10 वर्ष या उससे अधिक समय से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मियों की सेवा नियमित करने को लेकर सूचना जारी की। इसके तहत मोती राम ने भी आवेदन दिया, लेकिन कोई निर्णय नहीं होने पर उन्होंने झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की।

हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान मार्केटिंग बोर्ड और प्रशासन की ओर से तर्क दिया गया कि मोती राम दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी थे और सेवा नियमित करने की कोई शर्त नहीं थी। फरवरी 2023 में अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी।

इसके बाद उन्होंने खंडपीठ में अपील दाखिल की। अपील पर सुनवाई के दौरान यह मुद्दा उठा कि मोती राम 24 वर्षों से लगातार काम कर रहे थे और नियमितीकरण के लिए आवेदन भी मांगे गए थे। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने उनकी सेवा नियमित करने का आदेश दिया।

इस आदेश को चुनौती देते हुए मार्केटिंग बोर्ड सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। मामले की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 136 के तहत अपने विशेषाधिकार का उपयोग करते हुए बोर्ड की याचिका खारिज कर दी और मोती राम की सेवा नियमित करने के आदेश को बरकरार रखा।

चौकीदार ने गांजा जब्त किया, तस्करों ने बाइक छीनी

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के डोमचांच अंचल कार्यालय में कार्यरत एक चौकीदार से गांजा तस्करों ने उनकी मोटरसाइकिल छीन ली। यह घटना रविवार रात उस समय हुई, जब चौकीदार मनोज सिंह अपनी ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे। तस्करों ने चौकीदार की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। चौकीदार मनोज सिंह ने बताया कि उन्हें रविवार शाम विशेष सूत्रों से सूचना मिली थी कि गिरिडीह से कुछ युवक गांजा तस्करी के लिए नवलशाही की ओर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर मनोज सिंह ने उनका पता लगाया और कानीकेंद जंगल, नवलशाही थाना क्षेत्र में उन्हें रोका।

अपने बैग को फेंक दिया और फरार हो गए

चौकीदार को देखते ही दोनों युवक स्कूटी से भागने लगे। नवलशाही थाना से कुछ दूरी पर स्थित एक यात्री शेड के पास उन्होंने अपने बैग को फेंक दिया और फरार हो गए। मनोज सिंह ने जब बैग खोला तो उसमें गांजा के दो बड़े पैकेट मिले। चौकीदार मनोज सिंह की डोमचांच में ड्यूटी होने के कारण वे जब्त किए गए गांजे को कहीं सुरक्षित रखकर अपनी ड्यूटी पर चले गए। उनका घर नवलशाही थाना क्षेत्र के पसियाडीह गांव में है।

रविवार को ड्यूटी खत्म होने के बाद रात करीब 8 बजे जब मनोज सिंह अपनी बाइक से अपने गांव पसियाडीह लौट रहे थे, तभी उनके गांव के रास्ते में एक छोटी पुलिया के पास पहले से घात लगाए वही दोनों युवक खड़े थे। जैसे ही चौकीदार वहां पहुंचे, दोनों युवकों ने उन्हें घेर लिया। उन्होंने मनोज सिंह की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया और उनकी मोटरसाइकिल छीनकर वहां से फरार हो गए।

चढ़ेगा पारा : न्यूनतम में 3-4 डिग्री उछाल, माह के अंत तक 30 पार जा सकता है तापमान

रांची, एजेंसी। झारखंड में ठंड अब विदाई की ओर है। गर्मी की दस्तक साफ दिखाई देने लगी है। पिछले 24 घंटे में राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। लोहरदगा, लातेहार और जमशेदपुर में रात का पारा ऊपर चढ़ा है। जबकि गुमला सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री दर्ज किया गया। गुमला को छोड़ दें तो अधिकांश जिलों में रात की ठंड लगभग न के बराबर रह गई है। मौसम विभाग के अनुसार अब न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना नहीं है, जिससे सुबह की कनकनी भी खत्म होती दिख रही है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 17 फरवरी से तापमान में और बढ़ोतरी होगी। न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक इजाफा दर्ज किया जा रहा है। 24 घंटे पहले जहां न्यूनतम पारा 9-10 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान था, वहीं अब यह 12-13 डिग्री तक पहुंच गया है। प्रदेश के दक्षिणी जिलों जमशेदपुर, सरायकेला-खरसावां में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री तक जा सकता है। अधिकतम

तापमान भी 25-27 डिग्री से बढ़कर 29-33 डिग्री के बीच पहुंच गया है। पश्चिमी सिंहभूम और जमशेदपुर में आज 33 से 34 डिग्री तक तापमान रहने की संभावना है। राजधानी रांची समेत कई जिलों में दोपहर के समय तेज धूप निकल रही है। लोगों को अब दिन में स्वेटर की जरूरत महसूस नहीं हो रही। शाम के समय भी ठंड हल्की पड़ गई है। हालांकि हवाओं में अभी थोड़ी ठंडक बनी हुई है, लेकिन धूप की तपिश बढ़ने लगी है। मौसम के इस बदलाव से सुबह-शाम हल्की ठंड और दिन में गर्मी का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद का कहना है कि फिलहाल किसी बड़े पश्चिमी विक्षोभ या साइक्लोनिक सिस्टम का प्रभाव नहीं है। अधिकतम तापमान अभी 28 डिग्री के आसपास है, जो महीने के अंत तक 30 डिग्री के पार जा सकता है। पिछले वर्षों के आंकड़ों के अनुसार फरवरी में तापमान 30 डिग्री पार करता रहा है। हालांकि इस बार अत्यधिक गर्मी या लू जैसे हालात की संभावना नहीं जताई गई है। विशेषज्ञों ने बदलते मौसम में सेहत का ध्यान रखने की सलाह दी है।

धनबाद मेयर चुनाव में जयराम की राजनीतिक गुगली समझ से परे: चंद्रशेखर के काम की सराहना कर प्रकाश के लिए मांगे वाटे

धनबाद, एजेंसी। आम तौर पर चुनावी राजनीति में ऐसा कम ही देखने को मिलता है, जैसा कि धनबाद में देखने को मिल रहा है। चुनाव के दौरान प्रत्याशी और उनके दल आमतौर पर एक-दूसरे पर राजनीतिक हमले करते हैं और विरोधियों की खामियां गिनाते हैं।

इसी बीच झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रमुख व डुमरी विधायक जयराम महतो ने पूर्व मेयर एवं झामुमो समर्थित मेयर प्रत्याशी चंद्रशेखर अग्रवाल के कार्यों की सराहना की है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अब उनकी उम्र हो चुकी है और उन्हें आराम कर युवाओं को अवसर देना चाहिए। जेएलकेएम ने धनबाद मेयर के लिए प्रकाश कुमार महतो को प्रत्याशी बनाया है। प्रकाश महतो के लिए डुमरी विधायक जयराम महतो ने सोमवार को धनबाद में दिनभर जनसंपर्क अभियान चलाया। प्रकाश कुमार के आवास पर मीडिया से बात करते हुए जयराम ने कहा-धनबाद शहर के विकास में कुछ गतिरोध रहा है। बीते वर्षों में पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने धनबाद के लिए अच्छे प्रयास किए, लेकिन अब उनकी उम्र हो चुकी है। उन्हें आराम करना चाहिए और शहर की कमान युवाओं के हाथों में सौंप देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि धनबाद में पानी, सड़क, नालियों के साथ-साथ प्रदूषण की गंभीर समस्या है। यदि प्रकाश मेयर बनते हैं तो इन सभी मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब धनबाद को शिक्षित और युवा नेतृत्व की जरूरत है, ताकि शहर की पहचान बदली जा सके। साथ ही ऐसा जनप्रतिनिधि होना चाहिए जो जनता के धन की बचत कर सके।

जयराम महतो ने मेयर पद के चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यदि चंद्रशेखर अग्रवाल चुनाव जीतते हैं तो वे धनबाद के विकास में उनका पूरा सहयोग करेंगे। वहीं, यदि उनके समर्थित प्रत्याशी की जीत होती है, तो वे चंद्रशेखर अग्रवाल के अनुभव का लाभ लेना चाहेंगे। जयराम महतो ने संजीव सिंह को नसीहत देते हुए कहा कि उनकी पत्नी सम्मानित विधायक हैं और उन्हें उनके कार्यों में सहयोग करना चाहिए। हर पद पर एक ही परिवार के लोगों का होना आवश्यक नहीं है। इस दौरान प्रत्याशी प्रकाश कुमार, केंद्रीय प्रवक्ता सुशील मंडल, सपन मोदक समेत अन्य लोग मौजूद थे।

लालू यादव के राज के समय जैसे झारखंड में चुनाव कराना चाहती है हेमंत सरकार

रांची, एजेंसी। झारखंड में शहर की सरकार चुनने के लिए वोटिंग 23 फरवरी, 2026 को होनी है. भले ही चुनाव पार्टी के आधार पर नहीं हो रहे हैं, लेकिन लगभग सभी बड़ी राजनीतिक पार्टियों ने किसी न किसी प्रत्याशी को अपना समर्थन दिया है. इससे इस चुनाव में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है. रांची नगर निगम के मेयर पद के चुनाव पर सबकी नजर है. इसी बीच बीजेपी नेता बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव का नाम लेते हुए हेमंत सरकार पर तंज कस रहे हैं.

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और दूसरे भाजपा नेता नगर निकाय चुनावों में ईवीएम की जगह बैलेट पेपर के इस्तेमाल पर तंज कस रहे हैं. उनका कहना है कि हेमंत सरकार लालू यादव के राज के समय के दौरान 'आंखें बंद, डब्बा गायब' के जैसे चुनाव कराने लिए बैलेट पेपर से चुनाव करा रही है.

रांची से भाजपा सांसद संजय सेठ ने पार्टी समर्थित मेयर उम्मीदवार रोशनी खलखो के समर्थन में किशोरगंज में एक नुक्कड़ रैली को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि शुरू में यह सरकार नगर निकाय चुनाव नहीं कराना चाहती थी. रोशनी खलखो ने इसके लिए कानूनी लड़ाई लड़ी. फिर कोर्ट के आदेश से चुनाव हो रहे हैं.

उन्होंने कहा कि अब जब चुनाव हो रहे हैं, तो यह सरकार इतनी डरी हुई है कि वह पुराने दिनों की तरह चुनावों में धांधली करने के लिए ईवीएम की जगह बैलेट पेपर का इस्तेमाल कर रही है, ताकि वे लालू यादव के राज की तरह 'आंखें बंद, डब्बा गायब' करके जीत सकें, हम अब ऐसा नहीं होने देंगे. वोटिंग के बाद हमारे कार्यकर्ता बैलेट बॉक्स के साथ स्ट्रॉन्ग रूम तक जाएंगे और फिर स्ट्रॉन्ग रूम की भी निगरानी करेंगे.

भाजपा के बड़े नेताओं के वार्ड-मेयर चुनाव में उतरने के विपक्ष के आरोप का भी संजय सेठ ने जवाब दिया. उन्होंने कहा कि वह रांची के सांसद हैं, यहां उन्होंने काम किया है तो ऐसे में क्या चुनाव में क्षेत्र को छोड़ दें.

वहीं चुनावी सभा में लालू प्रसाद का नाम लेने को राजद ने दुखद करार दिया. राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव ने कहा कि दरअसल राज्य में जनता द्वारा नकारे गए भाजपा के लोग उनके नेता का नाम लेकर अपना टीआरपी बढ़ा रहे हैं. संतोष यादव ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा अपने समर्थित उम्मीदवारों की हार मान चुकी है, इसलिए वह अनाप शनाप बयान दे रहे हैं.

भूमिहीनों को नया फ्लैट; फ्री वाईफाई', सरायकेला में बीजेपी समर्थित नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी का 'संकल्प'

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला नगर पंचायत के भाजपा समर्थित अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सुमित कुमार चौधरी, जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, प्रदेश प्रवक्ता रमाकान्त महतो, संयोजक राजा सिंहदेव ने संयुक्त रुप से प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सोमवार को संकल्प पत्र जारी किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए सुमित चौधरी ने बताया कि पूरे क्षेत्र में भ्रमण करने के दौरान कई तरह की समस्याएं से वे रुबरु हुए। इन समस्याओं को दूर करना उन्होंने अपनी प्राथमिकता में रखा है। चुनाव जीतने के सभी समस्याओं को वे क्षेत्र से दूर करेंगे। जिलापरिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने कहा कि लोग उन तक आसानी से पहुंच सकते हैं। उनकी स्वच्छ छवि है। वे नई सोच नई उम्मीद के साथ रखते हैं। उन्होंने कहा कि सुमित चौधरी को विश्वास है कि उन्हें सबका साथ मिलेगा जिसके बाद वे क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा नगर अध्यक्ष बीजू दत्ता, मीनाक्षी पटनायक सहित भाजपाई उपस्थित थे।

धनबाद में ढुलू महतो ने संजीव कुमार को समर्थन दिया, बोले- खून चूसने वाले को नहीं, खून देने वाले को मेयर बनाओ

अलकडीहा (धनबाद), एजेंसी। डिगवाडीह गणेश मैदान में सोमवार को यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन एटक बीसीसीएल जोन के कार्यकर्ताओं की सभा हुई सभा में यूनियन अध्यक्ष सह विधायक शत्रुघ्न महतो व सचिव सह सांसद ढुलू महतो ने नगर निगम के चुनाव में मेयर प्रत्याशी संजीव कुमार को समर्थन देने का घोषणा किया। सांसद ढुलू महतो ने परोक्ष रूप से सिंह मेंशन पर प्रहार करते हुए कहा कि आज तक इस घराने के लोगो ने धनबाद में सिर्फ हत्या की राजनीति कर लोगों को डरा धमका कर संपत्ति अर्जित करने का काम किया है। ऐसे लोगों ने मजदूरों और किसानों की अधिकार के लिए आवाज उठाने वाले की हत्या करवाने का इतिहास रचा है।

उन्होंने कहा कि आज तक जिले में जितने भी हत्या, लूट व कोलियरियों में चोरी की घटनाएं हुई है उन सभी घटनाओं के तार इस चर्चित घराने से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने लोगों का सिर्फ खून चूसने, खून बहाने व हाथ तोड़ने का काम किया है। उन्होंने लोगो से खून चूसने वाले माफिया प्रत्याशी से बचते हुए मेयर पद के ईमानदार हाथ जोड़ने वाले प्रत्याशी संजीव कुमार को जिताने की अपील की है।

यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि नगर निगम के मेयर चुनाव में एक तरफ झरिया को उजाड़ने वाले है तो दूसरी तरफ विकास की संकल्प लेकर आए संजीव कुमार है। अब लोगों को तय करना है कि धनबाद का विनाश करने वाला को चुनना है या विकास करने वाले संजीव को भारी मतों से विजय बनाकर मेयर बनाना है। भाजपा समर्थित मेयर प्रत्याशी संजीव कुमार ने कहा कि आधी झरिया उजड़ गई है। झरिया को उजाड़ने में कौन लगा है इसे परखें। उन्होंने लोगों से कहा कि उन्हें एक मौका दे। उन्होंने लोगो से नया झरिया बनाने के लिए उन्हें विजय बनाने की अपील की। सभा की अध्यक्षता मो. शरीफ, संचालन एटक नेता सतेंद्र गुप्ता व धन्यवाद ज्ञापन नंदू यादव ने किया। मौके पर विकास मुखर्जी, छोटू राम, मनोज मुखिया, अनुज सिन्हा, मुन्ना वर्मा, सुजीत मंडल, रामाशीष यादव थे।

मालगाड़ी की टक्कर से हाथी के बच्चे की मौत

रांची, एजेंसी। बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड पर आमिलान-निद्रा के बीच मालगाड़ी की चपेट में आने से एक हाथी का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी देर रात मौत हो गई। घटना के बाद हाथियों का झुंड आक्रोशित होकर रेल पटरी पर डट गया। चंदवा थाना क्षेत्र के पुतरी टोला गांव के पास हुई इस घटना ने बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड पर रेल परिचालन पूरी तरह ठप कर दिया।

शाम करीब 7:30 बजे से शुरू हुआ यह गतिरोध आधी रात तक बना रहा। वन विभाग की टीम ने मशाल जलाकर हाथियों को हटाने का प्रयास किया, लेकिन वे लंबे समय तक पटरी से नहीं हटे। करीब साढ़े चार घंटे बाद रात 12 बजे के आसपास झुंड को हटाया जा सका, जिसके बाद 12:20 बजे अप लाइन पर परिचालन बहाल हुआ।

पटरी पर हाथियों के जमे रहने से कई

महत्वपूर्ण ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर फंस गईं। 12877 रांची-गरीब रथ राय स्टेशन पर शाम 7:54 बजे से खड़ी रही, जबकि 21894 टाटा वंदे भारत एक्सप्रेस टोरी स्टेशन पर 7:48 बजे से रुकी रही। 13347 पलामू एक्सप्रेस खलारी स्टेशन पर 7:35 बजे से ठप रही। 18309 जम्मूतवी एक्सप्रेस बरकाकाना में, 13025 हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस भी बरकाकाना स्टेशन पर और 18635 सासाराम इंटरसिटी हेंदेगीर स्टेशन पर रोकी गई। रांची-बनारस एक्सप्रेस रामगढ़ कैंट में खड़ी रही। ट्रेनों के अचानक रुकने से यात्री घंटों अनिश्चितता में फंसे रहे।

खलारी स्टेशन पर पलामू एक्सप्रेस में सवार यात्रियों को सबसे अधिक दिक्कत झेलनी पड़ी। ट्रेन तीन घंटे से अधिक समय तक खड़ी रही। यात्रियों ने बताया कि एसी कोच में एयर कंडीशनर बंद हो गया था, जिससे घुटन महसूस हो रही थी। पेंट्री कार नहीं होने से खाने-पीने की समस्या भी सामने आई। कई यात्रियों ने स्टेशन के छोटे स्टॉल से बिस्कुट और चिप्स खरीदकर भूख मिटाई। कुछ यात्रियों ने आसपास रहने वाले परिजनों से घर का भोजन मंगवाया। यात्रियों का कहना था कि यदि ट्रेन समय पर चलती तो वे गंतव्य तक पहुंचकर भोजन-पानी की व्यवस्था कर सकते थे।

संक्षिप्त समाचार

विजय बोले-अब खुले में नहीं बिकेगा मांस, बेचने के लिए लाइसेंस लेना होगा जरूरी

पटना, एजेंसी। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि अब बिहार में खुले में मांस नहीं बिकेगा। इसको बेचने के लिए लाइसेंस जरूरी है। इसके निर्देश दे दिए गए हैं। जो इसे नहीं मानेगा, उस पर सख्त कार्रवाई होगी। इस बारे में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दरभंगा शहर में कार्रवाई की गई है। उनके अनुसार खुले बाजार, खुली सड़क या रास्ते पर मांस की बिक्री रोक दी गई है।

सभी नगर निकायों को खुले में मांस की खरीद-बिक्री पर कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिया गया है। मांस बेचने वालों के लाइसेंस जांचें जाएंगे। लाइसेंसधारी विक्रेताओं को शेल्टर में स्थानांतरित किया जाएगा।

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा-बिहार में जमीन की लड़ाई में हर साल 800 से 1000 लोग मारे जाते हैं। इसे रोकने के लिए ही हमने 'भूमि कल्याण जनसंवाद' शुरू किया है। वे सोमवार को विधान परिषद में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की अनुदान मांग पर पेश कटौती प्रस्ताव पर हुई बहस के बाद जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा-सैरात बंदोबस्ती और शव वाहन पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के 16584 पद एक साल में भरे जाएंगे।

फर्जीवाड़ा करने पर 7 से 10 साल की सजा : जमीन को विवादित बना, कब्जा करने वाले माफियाओं पर अब एफआईआर दर्ज होगी। जमीन के जाली दस्तावेज के मामले मिलने पर भी एफआईआर होगी। ऐसे मामलों में 7 से 10 साल तक सजा का प्रावधान किया गया है। सीओ को जानकारी दिए बिना पुलिस किसी भी विवादित जमीन पर नहीं जाएगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना से बिहार में बदल रहा रेलवे का चेहरा, यात्रियों को मिलेगी एयरपोर्ट जैसी फैसिलिटी

कटिहार, एजेंसी। भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना देशभर में रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण का नया अध्याय लिख रही है। इस संबंध में सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि एनएफ रेल अंतर्गत बिहार, असम सहित पूरे पूर्वोत्तर में जहां बड़े पैमाने पर स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है, वहीं बिहार के सीमावर्ती स्टेशन भी इस परिवर्तन यात्रा का हिस्सा बन रहे हैं।

रेल मंत्रालय के अनुसार, इस योजना के तहत चयनित स्टेशनों के लिए विस्तृत मास्टर प्लान तैयार कर चरणबद्ध तरीके से यात्री सुविधाओं और आधारभूत संरचना का विकास किया जा रहा है। स्टेशन पहुंच मार्ग, सर्कुलेटिंग एरिया, आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, लिफ्ट-एस्केलेटर, फ्री वाई-फाई, अत्याधुनिक यात्री सूचना प्रणाली और आकर्षक स्टेशन भवन इसके प्रमुख घटक हैं।

वन स्टेशन वन प्रोडक्ट कियोस्क के माध्यम से स्थानीय उत्पादों और उद्यमिता को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। पूर्वोत्तर में 60 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य जारी है, जिनमें असम के 50 स्टेशन शामिल हैं। हैवर गांव रेलवे स्टेशन असम का पहला अमृत भारत स्टेशन बनकर आधुनिक सुविधाओं और असमिया विरासत के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत कर चुका है।

इसी कड़ी में बिहार के कटिहार और किशनगंज सहित अन्य रेलवे स्टेशन को भी अमृत भारत योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। सीमावर्ती और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण ये दोनों स्टेशन पूर्वोत्तर और बिहार को जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। इनके पुनर्विकास से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा स्थानीय व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को नया आयाम मिलेगा।

अमृत भारत स्टेशन योजना न केवल रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बना रही है, बल्कि स्टेशनों को सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों के सशक्त केंद्र के रूप में भी स्थापित कर रही है। बेहतर कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं के साथ यह पहल असम, पूर्वोत्तर और बिहार में विकास की नई रफ्तार का प्रतीक बनती जा रही है। जो अत्याधुनिक तकनीकों और सुख सुविधाओं से सज्जित होगा। जिससे यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर एयरपोर्ट जैसा सुखद अनुभव मिलेगी।

नवगछिया-चौधरीडीह फोरलेन सड़क में बंशीटीकर के पास बनेगा अंडरपास, डीपीआर में होगा बदलाव

भागलपुर, एजेंसी। नवगछिया से चौधरीडीह तक बनने वाले फोरलेन सड़क में बंशीटीकर के पास व्हिकल अंडरपास (वीयूपी) का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जीरोमाइल फ्लाईओवर के बगल में समानांतर फ्लाईओवर बनाने की योजना पर पुनर्विचार किया जा रहा है।

हाल ही में, जीरोमाइल के पास समानांतर फ्लाईओवर न बनाने और सड़क के चौड़ीकरण के माध्यम से फोरलेन बनाने का निर्णय लिया गया था, लेकिन अब सर्विस रोड की चौड़ाई बढ़ाने के बजाय, सबौर दिशा में एक और समानांतर टूलेन फ्लाईओवर बनाने पर विचार किया जा रहा है।

नवगछिया-चौधरीडीह प्रस्तावित फोरलेन सड़क में बंशीटीकर के पास व्हिकल अंडरपास बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए डीपीआर में बदलाव कर वीयूपी को शामिल किया जाएगा। इस संदर्भ में कंसल्टेंसी को मोर्थ के रिजनल ऑफिस (आरओ) में बुलाया गया है।

जीरोमाइल फ्लाईओवर के बगल में समानांतर फ्लाईओवर बनाने पर विचार किया जा रहा है, जबकि पहले डीपीआर में सड़क चौड़ीकरण का निर्णय लिया गया था। अब इसमें बदलाव करने पर चर्चा चल रही है।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मोड़ से चौधरीडीह के बीच तीसरी बार डीपीआर में संशोधन किया जाएगा, जिससे फोरलेन सड़क निर्माण में देरी हो सकती है। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि अप्रैल 2028 तक फोरलेन पुल का निर्माण पूरा होना है।

इस बीच, 22 मीटर सड़क चौड़ी की जाएगी। महादेवपुर घाट से फोरलेन पुल तक 900 मीटर का बांध 9 करोड़ की राशि से बनाया जाएगा। इस बांध के निर्माण से सड़क को नुकसान नहीं पहुंचेगा और बाढ़ के दौरान गांवों को भी सुरक्षा मिलेगी।

नवगछिया से शुरू होने वाले एनएच में जाह्नवी चौक से 53 मीटर अप्रोच रोड का निर्माण होगा। यह 18 मीटर ऊंची अप्रोच रोड फोरलेन सेतु से जुड़ेगी। भागलपुर की दिशा में भी अप्रोच रोड को ऊंचा किया जाएगा। विक्रमशिला सेतु की अप्रोच और नए सेतु की अप्रोच रोड भी फोरलेन की होगी। इस प्रकार, जीरोमाइल से जाह्नवी चौक तक सिक्स लेन की सड़क का निर्माण किया जाएगा।

नवगछिया से भागलपुर तक एनएच 131बी को फोरलेन किया जाना है। यह कार्य दो चरणों में पूरा होगा, जिससे यातायात के लिए बेहतर सड़क उपलब्ध होगी। एनएच के अभियंता ने बताया कि नवगछिया जीरोमाइल से जाह्नवी चौक तक 9 किलोमीटर की अनुमानित लागत 295 करोड़ रुपये और बरारी बाइपास मोड़ से चौधरीडीह तक 4.5 किलोमीटर की अनुमानित लागत 111 करोड़ रुपये है।

गोपालपुर के पास एक और रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण भी किया जाएगा, जिसकी लंबाई 60 मीटर और चौड़ाई 10 मीटर होगी। बाइपास में सेंट टेरेसा स्कूल और हवाई अड्डा के पास व्हीकल अंडरपास के अलावा दो छोटे ब्रिज का भी निर्माण होगा। जाह्नवी चौक और तेतरी के पास भी व्हीकल अंडरपास का निर्माण किया जाएगा।

भागलपुर-नवगछिया के बीच फोरलेन बनने से न केवल आवागमन में आसानी होगी, बल्कि कनेक्टिविटी भी बढ़ेगी। इस फोरलेन का जुड़ाव नवगछिया साइड में एनएच-33 और भागलपुर की ओर मुंगेर-मिर्जाचौकी ग्रीन फील्ड सहित हंसडीहा फोरलेन से होगा। इसका उपयोग समानांतर फोरलेन पुल के लिए भी किया जा सकेगा।

मध्यान भोजन में गड़बड़ी का खुलासा:

निरीक्षण में उपस्थिति और पंजी के आंकड़ों में बड़ा अंतर, विभाग ने दी चेतावनी

जहानाबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत चल रही मध्याह्न भोजन व्यवस्था में गड़बड़ी सामने आने के बाद शिक्षा विभाग सख्त हो गया है। सदर प्रखंड के मध्य विद्यालय सेववन और रतनी प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय महमदपुर में औचक निरीक्षण के दौरान छात्रों की वास्तविक उपस्थिति और एमडीएम पंजी में दर्ज संख्या में बड़ा अंतर पाया गया। इसके बाद जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, पीएम पोषण योजना ने दोनों प्रधानाध्यापकों से तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है।

विभागीय पत्र के अनुसार प्रखंड साधन सेवी द्वारा किए गए निरीक्षण में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। मध्य विद्यालय सेववन में निरीक्षण के समय 95 छात्र उपस्थित मिले, जबकि मध्याह्न भोजन पंजी में केवल 43 छात्रों की उपस्थिति दर्ज थी। वहीं भौतिक सत्यापन में 48 छात्र पाए गए। इस अंतर ने अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। इसी तरह प्राथमिक विद्यालय महमदपुर में निरीक्षण के दौरान 82 छात्र मौजूद मिले, जबकि पहले के दिनों में औसत उपस्थिति 145 दिखाई गई थी। आंकड़ों में इस बड़े अंतर को देखते हुए सरकारी राशि के दुरुपयोग की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि यदि पंजी में दर्ज संख्या और वास्तविक उपस्थिति में लगातार अंतर मिलता है तो इससे योजना की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं।

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि संबंधित प्रधानाध्यापक तीन दिनों के भीतर लिखित स्पष्टीकरण साक्ष्य के साथ दें। साथ ही पिछले तीन माह और चालू माह की मध्याह्न भोजन पंजी की छायाप्रति कार्यालय में जमा करने को कहा गया है। तय समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विभागीय कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

शिक्षा विभाग ने साफ कहा है कि प्रधानमंत्री पोषण योजना का मकसद बच्चों को पौष्टिक भोजन देना और स्कूलों में उनकी उपस्थिति बढ़ाना है। ऐसे में किसी भी तरह की लापरवाही, आंकड़ों में हेरफेर या वित्तीय गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग ने संकेत दिया है कि आगे भी अलग अलग स्कूलों में औचक निरीक्षण जारी रहेगा, ताकि योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई को शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

सात फेरों के बाद साजिश दुल्हन ने सोते पति पर उंडेला खौलता तेल, जिंदगी और मौत से जूझ रहा युवक

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। शिवहर जिले के पिपराही थाना क्षेत्र के मीनापुर बाघा गांव में शादी के महज दस दिन बाद एक युवक पर उसकी पत्नी ने खौलता तेल फेंक दिया। गंभीर रूप से झुलसे युवक को श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल युवक मोहम्मद मुन्ना के परिजनों ने बताया कि शादी सिर्फ तीन फरवरी 2026 को बड़ी धूमधाम से हुई थी। शादी के बाद से ही पूरे घर में बहु के कारण तनाव का माहौल बना हुआ था। पत्नी मुन्ना को अपने कमरे में सोने नहीं देती थी और उसे दूसरे कमरे में जाने को कहती थी। यहां तक कि चौठारी की रस्म के बाद भी बहु ने उसे कमरे में नहीं घुसने दिया। मोहम्मद मुन्ना के पिता मोहमद ददीज ने बताया कि जब उनके बेटे ने इस बारे में शिकायत की तो उन्होंने लड़की के परिवार को बुलाकर आपसी समझौते की कोशिश की, लेकिन बहु के मन में कुछ और ही चल रहा था। घटना के दिन मुन्ना दिन में कंबल ओढ़कर सो रहा था। इसी दौरान उसकी पत्नी रसोई में गई और करीब पांच लीटर सरसों का तेल खौलाया, फिर सोए हुए पति पर डाल दिया। तेल पड़ते ही मुन्ना दर्द से छटपटाने लगा। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को संभाला। आरोपी महिला को मौके पर ही पकड़ लिया गया और तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया गया। घायल मुन्ना को बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि मुन्ना काफी गंभीर रूप से झुलस चुका है और इलाज अभी जारी है।

दहेज के लिए नवविवाहिता की हत्या, ससुराल पक्ष फरार

जहानाबाद, एजेंसी। जहानाबाद से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर एक नवविवाहिता की हत्या कर साक्ष्य मिटाने के लिए शव को जला देने का मामला सामने आया है। घटना शकुराबाद थाना क्षेत्र के बंधु बिगहा गांव की बताई जा रही है। वारदात के बाद से ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार हैं। मृतका की पहचान टुनटुन कुमार की पत्नी मानसी कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार पटना के जमुई गांव निवासी उजागिर दास ने अपनी बेटी मानसी कुमारी की शादी वर्ष 2025 में हिंदू रीति रिवाज से बंधु बिगहा गांव निवासी अर्जुन दास के पुत्र टुनटुन कुमार के साथ की थी। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले एक लाख रुपये की अतिरिक्त मांग को लेकर मानसी को लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण वे यह मांग पूरी नहीं कर सके।

परिजनों ने बताया कि गांव के पड़ोसियों से उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी मानसी की हत्या कर दी गई है। खबर मिलते ही परिवार के लोग आनन फानन में बंधु बिगहा गांव पहुंचे। वहां घर का मुख्य दरवाजा खुला मिला और ससुराल के सभी लोग फरार थे। आरोप है कि हत्या करने के बाद शव को जला दिया गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मृतका के पिता ने शकुराबाद थाना में लिखित आवेदन देकर पति, सास, ससुर समेत 11 लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। उन्होंने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

थाना प्रभारी राहुल कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

सिवान में 15 अप्रैल से शुरू होगी गेहूं की सरकारी खरीद, किसानों को मिलेगा 2585 एमएसपी

सिवान, एजेंसी। जिले के किसानों के लिए राहत भरी खबर है। रबी विपणन मौसम 2026-27 में आगामी 15 अप्रैल से जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की सरकारी स्तर पर खरीदारी शुरू हो जाएगी।

जिला सहकारिता विभाग कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में इसबार सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में प्रति क्विंटल 160 रुपये की वृद्धि करते हुए 2585 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी निर्धारित किया गया है। जिला सहकारिता पदाधिकारी सौरभ कुमार ने बताया कि गेहूं की बिक्री के लिए किसानों को कृषि विभाग के पोर्टल डीबीटी एग्रीकल्चर डाट बिहार गवर्नमेंट डाट इन पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। उन्होंने बताया कि विगत 21 जनवरी से पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

हालांकि, विभाग की ओर से अभी लक्ष्य का निर्धारण नहीं किया गया है। बता दें कि इसबार मौसम अनुकूल हरने से जिले में गेहूं की अच्छी

पैदावार की संभावना है। वहीं कृषि विभाग के पदाधिकारियों का मानना है कि यदि उत्पादन अनुमान के अनुरूप रहा तो खरीद लक्ष्य भी बेहतर रहेगा। गौर करने वाली बात है कि सहकारिता विभाग द्वारा सरकारी दर पर गेहूं की खरीदारी की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। विभाग का दावा है कि क्रय केंद्रों की सूची लगभग तैयार कर ली गई है और पैक्स एवं व्यापार मंडलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिया गया है। वहीं, नमी की अधिकतम सीमा, तौल प्रक्रिया और भुगतान प्रणाली को लेकर स्पष्ट निर्देश दिया गया है।

मुंगेर जिले के तारापुर में मासूम भांजी के साथ दुष्कर्म

पुलिस ने चचेरे मामा को किया गिरफ्तार

तारापुर (मुंगेर), एजेंसी। हरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार की देर शाम चार वर्षीय मासूम बच्ची के साथ उसके चचेरे मामा ने दुष्कर्म किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। स्वजन के अनुसार, बच्ची अचानक देर शाम घर पर नहीं थी। काफी खोजबीन के बाद स्वजन और ग्रामीणों ने उसे गांव के समीप स्थित मकई के खेत से बेहोशी की हालत में बरामद किया। इसके बाद आनन-फानन में उसे अनुमंडलीय अस्पताल तारापुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कालेज अस्पताल भागलपुर रेफर कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही एएसपी संकेत कुमार, तारापुर थानाध्यक्ष राजकुमार तथा हरपुर थानाध्यक्ष सत्यम कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मामा को गिरफ्तार कर लिया।

परिवार वालों ने बताया कि आरोपित जमुई जिले का निवासी है और मेला देखने के लिए अपने एक मित्र के साथ गांव आया था। वह अपनी चचेरी बहन के घर पहुंचा। बहन भोजन करने के लिए रोक लिया। इस दौरान बहनोई मवेशियों का दूध निकालने गोहाल गया था। इस मौके का फायदा उठाकर आरोपित ने मासूम को बहलाया-फुसलाया और मकई के खेत में ले जाकर घटना को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है आरोपित को स्पीडी ट्रायल चलाकर सजा दिलाई जाएगी।

शादी का झांसा देकर बुलाया, भाइयों ने सिर में मारी गोली और गला काटा, 72 घंटे में पुलिस ने खोला राज

सहरसा, एजेंसी। बिहार के सहरसा जिले में धोखे से की गई हत्या की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सोनवर्षा थाना क्षेत्र में सुरसर नदी के किनारे 12 फरवरी को मिला सिर कटा शव आखिरकार पुलिस ने पहचान लिया और मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस अधीक्षक हिमांशु ने बताया कि यह हत्या प्रेम प्रसंग में की गई थी। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 72 घंटे के भीतर मामले का उद्भेदन कर मुख्य आरोपी दर्शन यादव उर्फ दर्शन कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में पता चला कि मृतक की पहचान डरहार थाना क्षेत्र के नारायणपुर निवासी 26 वर्षीय राजेश यादव के रूप में हुई है। वह बेंगलुरु में एक निजी कंपनी में मजदूरी करता था। राजेश का एक युवती से पिछले तीन से चार साल से प्रेम संबंध था। इसी वजह से युवती की शादी टूट गई थी, जिससे उसके परिवार खासकर भाई राजेश से बेहद नाराज थे। साजिश के तहत युवती के

भाइयों ने राजेश को शादी का झांसा दिया। प्रेमिका से फोन कराकर कहा गया कि घर वाले शादी के लिए तैयार हैं, तुम आ जाओ। इस भरोसे पर राजेश 11 फरवरी को बेंगलुरु से सहरसा पहुंच गया। सहरसा स्टेशन पर प्रेमिका के भाई दर्शन यादव ने राजेश को बाइक पर बैठाया। उसे इधर उधर घुमाने के बाद शाम को सोनवर्षा राज थाना क्षेत्र के एक सुनसान इलाके में ले जाया गया। जब राजेश ने पूछा कि कहां ले जा रहे हो, तो आरोपियों ने कहा कि पास के मंदिर में सब लोग इंतजार कर रहे हैं और वहीं शादी होगी। इसके बाद उसे सुरसर नदी किनारे ले जाकर पहले सिर में गोली मारी गई। इसके बाद भी आरोपियों का मन नहीं भरा तो चाकू से गला काटकर सिर को धड़ से अलग कर दिया। एसपी हिमांशु ने बताया कि 12 फरवरी को अज्ञात शव मिलने पर थाना कांड संख्या 26/26 दर्ज किया गया था। पुलिस ने शव की तस्वीर सोशल मीडिया पर जारी की, जिससे 12 घंटे के भीतर मृतक की पहचान हो गई। इसके बाद सिमरी बख्तियारपुर के एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से सहरसा सदर थाना क्षेत्र निवासी आरोपी दर्शन यादव को सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया देशी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस और बाइक जब्त की है। पुलिस आरोपी को घटनास्थल पर ले गई और घटनाक्रम को दोहराया गया। वहीं खेत से खून से सना चाकू भी बरामद हुआ, जिससे गला काटा गया था। साथ ही गोली का एक खोखा भी मिला है।एसपी हिमांशु ने बताया कि आरोपी दर्शन ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। उसने बताया कि इस वारदात में उसके साथ दो अन्य लोग भी शामिल थे। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है और इसलिए उनके नाम फिलहाल गोपनीय रखे गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

1 अप्रैल से बदलेंगे आयकर के नियम: व्यापारियों को बड़ी राहत, टैक्स सिस्टम होगा आसान

आगरा, एजेंसी। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की बजट सेमिनार में विशेषज्ञों ने कहा कि नए आयकर नियमों से व्यापार आसान होगा। इसके साथ ही पारदर्शिता भी आएगी। व्यापारियों और करदाताओं के लिए आने वाले नए आयकर नियम राहत लेकर आएंगे। वित्त बजट 2026 में सरकार ने टैक्स प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। 1 अप्रैल से लागू होने वाला नया आयकर अधिनियम न केवल पुराने जटिल नियमों को खत्म करेगा, बल्कि करदाताओं के अनुकूल माहौल भी तैयार करेगा। इससे व्यापार की राह आसान होगी।

ये विचार सोमवार को फतेहाबाद रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की फाइनेंस बजट-2026 सेमिनार में विशेषज्ञों ने व्यक्त किए। सेमिनार का शुभारंभ चेयरमैन सेंटर रीजन अंकुर गुप्ता और शाखा अध्यक्ष सीए गौरव सिंघल ने किया। मुख्य वक्ता सीए विनोद गुप्ता ने बताया कि नए आयकर अधिनियम का मूल उद्देश्य टैक्स चोरी को रोकना और ईमानदार करदाताओं को सहूलियत देना है। अनिर्धारित आय पर कर की दर को घटाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है। टीडीएस और टीसीएस से जुड़े प्रावधानों को पहले से अधिक लचीला बनाया गया है। दंड के प्रावधानों में नरमी बरती गई है।

फर्जी बिलिंग पर लगेगा अंकुश

सीए निखिल गुप्ता ने जीएसटी संशोधनों पर कहा कि रिटर्न फाइलिंग की प्रक्रिया सरल होने से छोटे और मझोले व्यापारियों का बोझ कम होगा। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के नियमों में स्पष्टता से कानूनी विवाद खत्म होंगे। रिफंड प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और तेज होगी। जिसका सीधा लाभ निर्यातकों को मिलेगा। ई-इनवॉयसिंग को मजबूत कर फर्जी बिलिंग पर लगाम कसी जाएगी।

शिव-पार्वती की झांकी ने मोहा मन- सेमिनार के बाद आगरा शाखा का वार्षिक उत्सव मनाया गया। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में शिव-पार्वती की आध्यात्मिक झांकी ने सभी का मन मोह लिया। सीए सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। कार्यक्रम के अंत में सहयोगी सदस्यों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सीए सौरभ नारायण सक्सेना, करन पंजवानी, आयुष गोयल, सचिन बुबना, साक्षी जैन, अजय जैन, विजय भार्गव सहित बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स मौजूद रहे।

चेक चोरी कर 3.55 लाख रुपये निकाले, प्राथमिकी दर्ज

वाराणसी, एजेंसी। चेक चोरी कर 3.55 लाख रुपये खाते से निकालने के मामले में पीड़ित ने रविवार को लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। कैंट थाना क्षेत्र के वरुण गार्डन निवासी डॉ. राशिद परवेज ने पुलिस को बताया कि वह लंका के साकेत नगर कॉलोनी में रहते हैं। लाइफ फार्मेसी नाम से अर्दली बाजार में एचडीएफसी बैंक में खाता है। चेक खत्म होने पर बैंक में आवेदन किया। अक्तूबर में ब्लू डार्ट कंपनी के कर्मचारी ने चेक बुक दिया था। चेक देते समय आरोपी संजय कांतूराम राय निवासी नायर स्टेट नेताजी नगर शांति सेवा संघ 90 फीट रोड हनुमान मंदिर कुर्ला पश्चिम नवी मुंबई महाराष्ट्र और हाल पता मंगलपुर लोहता ने चेक चुराने के बाद प्रधान डाकघर में खाता खोला था। खाता खोलने के बाद बैंक के कर्मचारियों की मिलीभगत से 12 नवंबर को एक लाख नब्बे हजार रुपये और 15 नवंबर को एक लाख 65 हजार रुपये निकाल लिए थे।

राशिद परवेज का आरोप है कि दोनों चेकों पर उनके हस्ताक्षर और फर्म की मुहर नहीं लगी थी। बैंककर्मियों की मिलीभगत से आरोपी ने 3,55,000 रुपये निकाल लिए थे। लंका इंस्पेक्टर राजकुमार ने बताया कि आरोपी संजय कांतूराम राय और अज्ञात बैंक कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

ताजमहल की शान बनी कला पर खतरा

● हजारों परिवारों की रोजी-रोटी दांव पर; जानें पूरा प्रकरण

आगरा, एजेंसी। केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के विजन डॉक्यूमेंट से पत्थरों पर जादू उकेरने की सदियों पुरानी फारसी कला पर संकट मंडरा रहा है। मार्बल पच्चीकारी उद्योग के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने प्रदूषण स्कोर 30 तय किया है, जबकि ताजमहल से 10 किमी. परिधि में प्रदूषण स्कोर 30 वाले उद्योग नहीं लग सकेंगे। ऐसे में शहर की ऐतिहासिक पहचान बन चुकी पच्चीकारी विलुप्त हो सकती है। हजारों परिवारों की आजीविका भी प्रभावित होगी।

ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) की विजन डॉक्यूमेंट रिपोर्ट सीईसी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की है। जानकारों का कहना है कि इस रिपोर्ट से आगरा के जूता और पच्चीकारी उद्योग पर बुरा असर पड़ेगा। आगरा की पच्चीकारी को जीआई टैग मिल चुका है यानी यह देशभर में सिर्फ आगरा की धरोहर है।

हस्तशिल्पी मुनव्वर खां ने बताया कि पच्चीकारी की शुरुआत मुख्य रूप से इटली (फ्लोरेंस) में हुई थी। वहां इसे पिएत्रा ड्यूरा कहा जाता था। इसका अर्थ है कठोर पत्थर। भारत में इस कला को मुगल बादशाहों ने लोकप्रिय बनाया। शुरुआत हुमायूं और अकबर के समय हुई। चरम पर शाहजहां के शासनकाल में पहुंची। आगरा में पच्चीकारी का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण ताजमहल है। ताजमहल की दीवारों पर संगमरमर को तराशकर उसमें कीमती पत्थर जैसे लैपिस लाजुली, मैलाकाइट, जैस्पर और कॉर्नेलियन भरे गए। यह कला आज भी दुनिया को अचंभित करती है।

एत्माद्दौला का मकबरा जिसे बेबी ताज भी कहा जाता है, पहला ऐसा स्मारक है जिसमें व्यापक रूप से पच्चीकारी का उपयोग किया गया। यह कला अपनी बारीकी के लिए जानी जाती है। इसमें सबसे पहले संगमरमर पर डिजाइन बनाई जाती है। फिर छोटे-छोटे औजारों से पत्थर को खुरचकर खांचे बनाए जाते हैं। इन

खांचों में ठीक उसी आकार के कीमती पत्थर फिट किए जाते हैं और उन्हें सरेश से चिपकाया जाता है। यह भारत और फारसी-यूरोपीय कला के मिलन का प्रतीक है। यूनेस्को और भारत सरकार इसे हस्तशिल्प की श्रेणी में एक अमूल्य विरासत मानते हैं।

आगरा के स्टोन इनले वर्क को जीआई टैग प्राप्त है, जो इसकी विशिष्टता और भौगोलिक पहचान को प्रमाणित करता है। इसके बावजूद पच्चीकारी पर संकट गहरा रहा है। पच्चीकारी का कारोबार आज एक बड़े उद्योग का रूप ले चुका है लेकिन यह कई चुनौतियों से भी जूझ रहा है।

आगरा से पच्चीकारी के उत्पाद जैसे टेबल टॉप, कोस्टर, ज्वेलरी बॉक्स और सजावटी सामान अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों में बड़े पैमाने पर निर्यात किए जाते हैं।

इन चुनौतियों से पहले ही जूझ रहा कारोबार

कच्चे माल की लागत के कारण कीमती पत्थरों और उच्च गुणवत्ता वाले मकराना मार्बल की बढ़ती कीमतों ने लागत बढ़ा दी है। सस्ते विकल्प मिलने से बाजार में सिंथेटिक पत्थरों और मशीनी काम ने हाथ से काम करने वाले असली कारीगरों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ा दी है। कारीगरों के पलायन से नई पीढ़ी इस काम में कम रुचि ले रही है, क्योंकि इसमें बहुत अधिक समय और एकाग्रता की आवश्यकता होती है, जबकि मेहनताना कम है।

पच्चीकारी का हब है गोकुलपुरा

आगरा का गोकुलपुरा इलाका पच्चीकारी का सबसे बड़ा हब है। इसके अलावा फतेहाबाद रोड पर कई बड़े शोरूम इस कला को प्रदर्शित करते हैं। हस्तशिल्पी राजकुमार ने बताया कि संगमरमर की मूर्तियां, फूलदान, प्लेट्स, और डाइनिंग टेबल टॉप्स की काफी मांग है। पच्चीकारी कला को वैश्विक बाजार में टिके रहने के लिए आधुनिक डिजाइनिंग और सरकारी प्रोत्साहन की निरंतर आवश्यकता है। यह न केवल ओडीओपी योजना का हिस्सा है, बल्कि आगरा के गौरव का प्रतीक भी है।

बिना जरूरत खर्च कर दिए 40 लाख

विशेष आंतरिक ऑडिट में फंसे कई प्रोफेसर, वीसी ने बनाई जांच टीम

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के किशनगंज सेंटर में विशेष आंतरिक ऑडिट रिपोर्ट में निधि दुरुपयोग के मामले सामने आए हैं। सेंटर में बिना

जरूरत के करीब 40 लाख रुपये खर्च कर दिए गए। सेंटर के पूर्व निदेशक प्रोफेसर हसन इमाम और प्रोफेसर राशिद निहाल सहित संबंधित कर्मचारी जांच में फंस गए हैं। मामले में कुलपति ने जांच टीम गठित कर दी है।

19 फरवरी 2024 की ऑडिट रिपोर्ट में वित्तीय अनियमितता, यूनिवर्सिटी की निधियों के दुरुपयोग और प्रक्रिया संबंधी खामियों के संकेत मिले हैं। रिपोर्ट में सत्र 2022-23 के लिए विकास निधि 13.06 लाख रुपये थी, जिसमें से 7,12,650 रुपये कैंटीन निर्माण में खर्च कर दिए गए, जिसकी मंजूरी भी नहीं थी। जांच में सामान्य वित्तीय नियम (जीएफआर) नियमों के विरुद्ध पाया गया।

ऑडिट रिपोर्ट में वर्ष 2020-22 में सफाई और हॉस्टल मरम्मत जैसे अस्वीकृत कार्यों में 2,63,250 रुपये खर्च किए गए। इनमें नकद भुगतान, एक ही विक्रेता को बार-बार आदेश और फर्जी बिलिंग का जिक्र है। गर्ल्स हॉस्टल की रंगाई-पुताई के लिए 3,30,400 रुपये खर्च किए गए, जिसमें मानक के अनुरूप प्रक्रिया नहीं अपनाई गई।

गेस्ट हाउस किराये और बिजली बिल में दोहरी भुगतान की स्थिति सामने आई, जबकि 2014 से किराये में बिजली शामिल थी। कर्मचारियों द्वारा टीए/डीए लेने के बावजूद यूनिवर्सिटी द्वारा किराया और होटल भुगतान किए जाने से लगभग 11.56 लाख रुपये का अतिरिक्त भार पड़ा। बिना स्वीकृति वाहनों के किराये पर 16.26 लाख रुपये खर्च हुए, जबकि निदेशकों ने साथ में ट्रांसपोर्ट अलाउंस भी लिया। बैंक से 16,10,823 रुपये नकद निकासी कर भुगतान किए गए, टीडीएस लागू नहीं किया गया।

बैंक ब्याज मद से 2,80,819 रुपये बिना अनुमति खर्च कर दिए गए। 1.50 लाख रुपये के अग्रिम बिल समायोजित नहीं हुए। बिजली बिल देरी से जमा होने पर 50,654 रुपये जुर्माना लगा। ऑडिट रिपोर्ट में स्टॉक रजिस्टर (उत्तर पुस्तिकाएं, उपभोग सामग्री, स्थायी संपत्ति, पुस्तकालय की पुस्तकें) अधूरे या अप्रमाणित पाए गए। ऑडिट में संभावित गबन और संस्थागत स्तर पर वित्तीय नियंत्रण की कमी बताई गई है।

ये हैं जांच टीम में

यूनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रो. आसिम जफर के अनुसार मामले में कुलपति प्रो. नईमा खातून ने जांच टीम गठित की है। टीम के चेयरमैन हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अब्दुल अलीम और सदस्य गणित विभाग के सेवानिवृत्त प्रो. मोहम्मद अशरफ बनाए गए हैं। टीम को निर्देशित किया गया है कि वह कुल वित्तीय नुकसान का आकलन करें और सेंटर के पूर्व निदेशक प्रो. हसन इमाम और प्रो. राशिद निहाल सहित संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की जांच करें।

ऑपरेशन सिंदूर से चर्चाओं में आई एंटी ड्रोन गन 'द्रोणम' का निर्माण अब झांसी में

लखनऊ , एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी तकनीकी कुशलता साबित करने वाले काउंटर ड्रोन %%द्रोणम%% का निर्माण झांसी डिफेंस कॉरिडोर में होगा। ब्लैक गन के नाम से चर्चित इस ड्रोन को हाल में गणतंत्र दिवस परेड में भी शामिल किया गया था और इसे चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन कार्ड से सम्मानित किया था। पहले चरण में लगभग 150 करोड़ रुपए का निवेश के साथ संयंत्र की शुरुआत की जाएगी।

उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर ने वर्ष 2026 की शुरुआत में दो रक्षा विनिर्माण कंपनियों को जमीन आवंटित की है। इस पहल से प्रदेश में रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा। कॉरिडोर के झांसी नोड में गुरुत्व सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड को 10 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। कंपनी काउंटर-ड्रोन के निर्माण में विशेषज्ञता रखती है। इसके द्वारा विकसित 'द्रोणम' प्रणाली का प्रदर्शन हाल ही में गणतंत्र दिवस परेड में किया गया था। कंपनी की तकनीक का परीक्षण ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भी हुआ, जिसके लिए उसे चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन कार्ड से सम्मानित किया गया। इस परियोजना में कंपनी 150 करोड़ रुपये का निवेश करेगी तथा लगभग 380 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देगी।

दूसरा आवंटन नेक्सा मुंबई को लखनऊ नोड में 0.5 हेक्टेयर भूमि के रूप में किया गया है। यह कंपनी एविएशन और रक्षा प्रणालियों के कैलिब्रेशन के लिए कंट्रोल पैनल, टेस्ट रिग्स एवं टेस्ट बेंच बनाती है। कंपनी पांच करोड़ का निवेश कर लगभग 60 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देगी।

दुश्मन का हमला बेअसर करती है द्रोणम- द्रोणम में ऐसी उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो दुश्मन ड्रोन को कबाड़ बना देता है। यह प्रणाली 1 से 8 किलोमीटर की दूरी तक के ड्रोन को पहचानने और उन्हें जाम करके निष्क्रिय करने में सक्षम है। यानी ये दुश्मन ड्रोन के हार्डवेयर को बेकार

कर देती है। इसके जरिए ड्रोन उड़ने या नियंत्रित होने में सक्षम नहीं रहता और गिर जाता है। द्रोणम को अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है। राइफल की तरह हाथ में पकड़कर इस्तेमाल की जाने वाली एंटी-ड्रोन गन है। इसे बैगपैक की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। पीठ पर पहनकर फील्ड ऑपरेशन में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा किसी वाहन या स्थायी जगह पर लगाया जा सकता है, जो चारों दिशाओं में निगरानी करता है।

इसी वजह से द्रोणम को सीमा सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में आसानी से तैनात किया जा सकता है। इसने वर्ष 2024 में 260 से ज्यादा ड्रोन नष्ट किए गए।

फास्टफूड दुकानदार को मनबढ़ों ने पीटा, घर में घुसकर ससुर-बहू की पिटाई

वाराणसी, एजेंसी। बड़ागांव थाना क्षेत्र के बड़ागांव बाजार में फास्टफूड की दुकान चलाने वाले रोहित को मनबढ़ों ने पीटा। उधर, चक्का गांव में ससुर-बहू की पिटाई की गई। रविवार को मारपीट की दोनों घटनाओं में तीन महिला समेत छह लोग घायल हो गए। दोनों पीड़ितों ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। रोहित ने पुलिस को बताया कि खाने का पैसा मांगने पर धर्मेंद्र सोनकर समेत पांच लोगों ने पिटाई की। बीचबचाव में मां मुन्नी देवी और भाई राहुल को भी पीटा। चक्का गांव में रामबली गिरी के घर में घुसकर दो युवकों ने पिटाई कर दी। इस दौरान बहू भाग्यश्री सहित एक अन्य युवती की भी पिटाई की। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई है।

होली पर चलेंगी रोडवेज की 300 अतिरिक्त बसें

साहिबाबाद , एजेंसी। परिवहन निगम होली के त्योहार पर प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए 300 अतिरिक्त बसें चलाएगा। बेड़े में एसी बसें भी शामिल रहेंगी। निगम ने छोटी और लंबी दूरी के रूट की योजना बनानी शुरू कर दी है। चालक-परिचालकों की छुट्टी पर रोक के लिए जल्द ही घोषणा की जाएगी। चार मार्च को रंगोत्सव है और 27 फरवरी से बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। बसें आनंद विहार दिल्ली और कौशांबी बस स्टेशन से प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए बसें चलाई जाएंगी।

होली के त्योहार पर गाजियाबाद-साहिबाबाद समेत आसपास से लाखों लोग अपने घर जाते है। होली पर यात्रियों को घर जाने में परेशानी न हो, इसके लिए निगम ने 300 अतिरिक्त बस चलाने की योजना बनाई है। इनका संचालन आनंद विहार दिल्ली और कौशांबी बस स्टेशन से प्रदेश के लखनऊ, बरेली, हल्द्वानी, आजमगढ़, बदायूं, मैनपुरी, कानपुर, एटा-अलीगढ़ और आगरा जनपदों और अन्य शहरों के लिए जाएंगी।

क्षेत्रीय प्रबंधक केसरी नंदन चौधरी ने बताया कि इन बसों में एसी शताब्दी और साधारण श्रेणी की बसें भी होंगी, ताकि यात्रियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सुविधा मिल सके। यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार बसों को विभिन्न मार्गों पर चलाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि आवश्यकता पड़ने पर रात में भी आनंद विहार और कौशांबी से बसों का संचालन जारी रहेगा। क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि त्योहार के समय पर सभी बसें लगातार संचालन में रहे और कोई भी बस ऑफ रोड न रखी जाए। इसके लिए चालकों और परिचालकों की छुट्टियां विशेष परिस्थितियों को छोड़कर स्वीकृत नहीं की जाएंगी।

प्रत्येक डिपो पर बनाए जाएंगे कंट्रोल रूम

त्योहार के दौरान चलने वाली अतिरिक्त बसों की निगरानी के लिए सभी डिपो पर कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। 24 घंटे कंट्रोल रूम चालू रहेगा और तकनीकी टीम भी तैनात रहेगी। ऑन रोड यदि किसी बस में तकनीकी दिक्कत आती है तो कंट्रोल रूम में जानकारी पर तत्काल बसों को ठीक करने की सुविधा मुहैया कराई जा सकेगी। आनंद विहार बस स्टेशन पर भी तकनीकी टीम और पुलिस बल की व्यवस्था रहेगी। सभी वाहनों में फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और अन्य जरूरी उपकरण उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं।

विषय विवाद में फंसा छात्रों का भविष्य

साल भर पढ़ाई की और पता चला कॉलेज के छात्र ही नहीं

कानपुर। कानपुर में बिल्हौर इंटर कॉलेज में एनटीटी और अकाउंटेंट विषय को लेकर चल रहा विवाद गहराता जा रहा है। बोर्ड परीक्षा शुरू होने में दो दिन शेष हैं, लेकिन इंटरमीडिएट के 13 छात्र अब भी प्रवेश पत्र और विषय की स्थिति स्पष्ट न होने से परेशान हैं। छात्रों का आरोप है कि वे पिछले तीन वर्षों से इसी विद्यालय में पढ़ रहे हैं। प्रधानाचार्य को नियमित फीस जमा करते हैं, इसके बावजूद एनटीटी के प्रवेश पत्र नहीं दिए गए। प्रबंधक का कहना है कि इनमें से नौ छात्र उनके कॉलेज के नहीं हैं।

छात्रों के अनुसार, पिछले दो महीनों से उन्हें एनटीटी का छात्र बताकर कक्षा में बैठने से रोका जा रहा है। परीक्षा नजदीक आने के बावजूद प्रवेश पत्र और विषय को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। छात्रों ने डीआईओएस कार्यालय पहुंचकर शिकायत भी दर्ज कराई है, लेकिन अब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकला। इंटर की छात्रा काजल बताती हैं कि घर वाले कहते हैं कि ऐसा विषय क्यों लिया जो प्रवेश पत्र तक नहीं मिला। अब तो कॉलेज ने यहां की छात्रा मानने से ही इन्कार कर दिया हैं।

चारों ने अकाउंटेंट का चयन किया था

इन 13 में से चार छात्रों खुर्शीद आलम, उजैर, अदनान और कदीर ने शिक्षकों के कहने पर एनटीटी से विषय बदलकर अकाउंटेंट में प्रवेश लिया था और उसी विषय की पढ़ाई कर रहे थे। इसके बावजूद बोर्ड से उनका प्रवेश पत्र एनटीटी विषय का जारी हो गया। इससे छात्र परीक्षा को लेकर असमंजस में हैं और विषय सुधार की मांग कर रहे हैं। खुर्शीद बताते हैं कि शिक्षकों ने कहा था कि एनटीटी बेकार विषय है, भविष्य में इसकी कोई उपयोगिता नहीं। इसके बाद हम चारों ने अकाउंटेंट का चयन किया था।

विद्यालय का बोर्ड पासवर्ड हैक हो गया था

प्रबंधक प्रभाकर श्रीवास्तव ने बताया कि दिसंबर 2024 में विद्यालय का बोर्ड पासवर्ड हैक हो गया था, जिससे सिर्फ चार छात्रों का एनटीटी में वैध प्रवेश हो पाया जबकि अन्य छात्र मेरे विद्यालय के नहीं हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एनटीटी की गेस्ट टीचर चित्रांशी ने छात्रों के गलत तरीके से कक्षा 11 के अंकपत्र जारी किए हैं। चित्रांशी का कहना है कि यदि अंकपत्र मैंने जारी किए हैं, तो विद्यालय ने विरोध क्यों नहीं किया। 13 छात्र लगातार कक्षा 12 में दाखिला लेकर प्रतिदिन स्कूल आते रहे। उन्होंने यह भी बताया कि इंटरमीडिएट में व्यावसायिक विषय समाप्त करने के चक्कर में बच्चों का भविष्य दांव लगा दिया गया। सूत्रों ने बताया कि अंक पत्र में भी प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर हैं।

इनका कहना

विद्यालय में दाखिला देना विद्यालय प्रशासन का कार्य है न कि टीचर का। मामले की जांच कराकर शासन को रिपोर्ट भेज दी गई है।

-संतोष कुमार राय
डीआईओएस

संक्षिप्त समाचार

गरजा बुलडोजर; दो अवैध हॉल और 3 रेस्टोरेंट किए ध्वस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद के गांव भतौला में सोमवार को डीटीपी इंफोर्समेंट विभाग ने अवैध निर्माणों पर बड़ी कार्रवाई की। डीटीपी अधिकारी यजन चौधरी के नेतृत्व में टीम ने बिना अनुमति बनी एक कॉलोनी पर बुलडोजर चला दिया। इस अभियान के दौरान 2 अवैध बैंक्वेट हॉल, तीन रेस्टोरेंट और एक स्पोर्ट्स अकादमी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। विभाग ने यह कदम पहले नोटिस जारी करने के बावजूद निर्माण न हटाए जाने पर उठाया। 2 बैंक्वेट हॉल, 3 रेस्टोरेंट/फूड जंक्शन और स्पोर्ट्स अकादमी ध्वस्त डीटीपी इंफोर्समेंट की

ओर से सोमवार को गांव भतौला की राजस्व संपदा में अवैध रूप से विकसित की गई व्यावसायिक कॉलोनी पर बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान टीम ने दो अवैध बैंक्वेट हॉल, तीन रेस्टोरेंट/फूड जंक्शन और एक स्पोर्ट्स अकादमी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। डीटीपी इंफोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी को कई दिनों से गांव की संपदा में अवैध निर्माण की सूचना मिल रही थी। सूचना के आधार पर सोमवार को टीम ने इन निर्माणों को लेकर पहले नोटिस जारी किए। लेकिन इसके बाद भी अवैध निर्माण नहीं हटाए गए। सोमवार को विभाग की टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। डीटीपी अधिकारी यजन चौधरी ने कहा कि जिले में अवैध कॉलोनियों और बिना अनुमति के बने व्यावसायिक ढांचों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। डीटीपी इंफोर्समेंट ने स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे जमीन खरीद-फरोख्त के दौरान विभागों से वैधता की जांच अवश्य कर लें। गुरुग्राम में भी बुलडोजर ऐक्शन सामने आया है।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का यू-टर्न; बारिश का येलो अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मौसम बदलने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दिल्ली के

साथ ही एनसीआर में बादलों की आवाजाही देखी जाएगी। बुधवार को दिल्ली एनसीआर में मौसम ज्यादा खराब रहेगा। मौसम विभाग ने दिल्ली के साथ ही एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में बुधवार को गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई है। इसके बाद मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग की मानें तो पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दिल्ली के साथ ही एनसीआर में मंगलवार शाम या रात से बादल डेरा डाल देंगे। दिल्ली एनसीआर में बुधवार को पूरी तरह बादल छाए रहेंगे। बुधवार को सुबह के समय दिल्ली के साथ ही एनसीआर के कुछ जगहों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश होगी। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से हवाएं चलेंगी। इसी दिन दोपहर में भी हल्की बारिश हो सकती है। अनुसार, दिल्ली एनसीआर में फरवरी महीने में चटख धूप से तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इससे फरवरी के महीने में ही मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है। दिल्ली में सोमवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, सफदरजंग में अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जो सामान्य से 7.2 डिग्री अधिक है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, हालांकि दिल्ली में होने वाली बारिश से तापमान में ज्यादा कमी नहीं देखी जाएगी। दिल्ली में 18 और 19 फरवरी को अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

केरल से असम तक गुटबाजी ने बढ़ाई राहुल गांधी की टेंशन!

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनावी राज्यों में कांग्रेस के भीतर बढ़ती गुटबाजी और नेतृत्व को लेकर उठते सवालों ने पार्टी के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। केरल में वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर के बयान से उपजे विवाद से लेकर असम में भूपेन बोरा के इस्तीफे और फिर वापसी तक- पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आया है। केरल, असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में पार्टी के भीतर उठते विरोध के स्वर और सहयोगियों के साथ बढ़ते तनाव ने केंद्रीय नेतृत्व की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

केरल: मणिशंकर अय्यर के बयान से पार्टी असहज

केरल में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के एक बयान ने पार्टी को भारी शर्मिंदगी में डाल दिया है। अय्यर ने भविष्यवाणी की है कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करेगी।

विवाद की जड़: अय्यर ने न केवल विजयन की जीत का दावा किया, बल्कि उनके शासन को शानदार भी

बताया। अय्यर का तर्क: पार्टी द्वारा पल्ला झाड़ने के बावजूद अय्यर अपने बयान पर कायम हैं। उन्होंने कहा- एक कांग्रेसी के रूप में मैं चाहता हूं कि यूडीएफ जीते, लेकिन एक गांधीवादी होने के नाते मैं सच बोलने के लिए बाध्य हूं। मुझे लगता है कि वे (विजयन) एक और कार्यकाल पाने जा रहे हैं।

ऐतिहासिक संदर्भ: केरल में पारंपरिक रूप से हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन (यूडीएफ और एलडीएफ के बीच) होता रहा है, लेकिन 2021 में विजयन ने दोबारा जीतकर इस चक्र को तोड़ दिया था। अय्यर की टिप्पणी ने कांग्रेस की सत्ता में वापसी की कोशिशों को बड़ा झटका दिया है। असम में बीजेपी के हिमंता बिस्वा सरमा के मजबूत नेतृत्व के सामने कांग्रेस लंबे समय से संघर्ष कर रही है। पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ रहा है, और मुस्लिम नेताओं में यह भावना घर कर गई है कि उन्हें पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा। राहुल गांधी के लिए यह राज्य विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां सीधे बीजेपी से मुकाबला है, लेकिन आंतरिक कलह ने स्थिति और जटिल बना दी है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस घटनाक्रम को कांग्रेस का गहराता संकट बताया। गौरतलब है कि 2015 में सरमा ने भी इसी तरह कांग्रेस छोड़ी थी, जिसके बाद असम में पार्टी का पतन शुरू हो गया था। तमिलनाडु में कांग्रेस की सबसे बड़ी टेंशन डीएमके के साथ गठबंधन है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने दो टूक कहा है कि चुनाव के बाद कोई सत्ता साझेदारी नहीं होगी। कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा ज्यादा सीटों और सरकार में हिस्सेदारी की मांग पर स्टालिन ने इसे 'षड्यंत्र' करार दिया है। डीएमके के वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस की मांगों पर सख्त रुख अपनाया है।

असम: भूपेन बोरा का इस्तीफा और 'हाई-वोल्टेज' ड्रामा

असम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के इस्तीफे ने पार्टी के भीतर मचे घमासान को उजागर कर दिया। बोरा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेजा था। उनका आरोप था कि पार्टी नेतृत्व उन्हें नजरअंदाज कर रहा है और राज्य इकाई में उन्हें उचित सम्मान नहीं मिल रहा है। उन्होंने 'बेहाली प्रकरण' और 'माजुली यात्रा' से जुड़े निर्णयों पर असंतोष जताया था।

द्वारका हिट एंड रन केस : कार चला रहे नाबालिग लड़के को कैसे मिली बेल, दिल्ली पुलिस ने बताई वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के द्वारका में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले 23 साल के साहिल धनेशरा की मां इन्ना माकन ने बेटे के लिए इंसाफ की अपील की है। बीती 3 फरवरी को एक नाबालिग लड़के द्वारा रॉन्ग साइड में चलाई जा रही एसयूवी कार द्वारा

कथित तौर पर मोटरसाइकिल में टक्कर मारने से साहिल की मौके पर ही मौत हो गई थी। अब आरोपी लड़के को जमानत मिलने के बाद साहिल की मां ने सोशल मीडिया पर इमोशनल अपील के साथ अपना दर्द बयां करते हुए अपने बेटे के लिए इंसाफ की मांग की है। दिल्ली पुलिस ने बताया है कि लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज के पास एक जानलेवा सड़क हादसे के बारे में सुबह करीब 11:57 बजे पर पीसीआर कॉल मिलने पर द्वारका साउथ थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281/106(1)/125 के तहत स्वतः दर्ज की गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो दो कारें (एक टैक्सी) और एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिलीं। इस घटना में मोटरसाइकिल सवार मौके पर ही मौत हो गई थी, जिसकी पहचान साहिल धनेशरा (23 साल) के रूप में हुई। उसका पोस्टमॉर्टम हो गया है। घायल टैक्सी ड्राइवर अजीत सिंह को आईजीआई अस्पताल में शिफ्ट किया गया। उसका बयान दर्ज कर लिया गया है और एमएलजी की फाइनल राय का इंतजार है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 17 वर्षीय कार ड्राइवर अक्षत्र सिंह बिना ड्राइविंग लाइसेंस के पाया गया। नाबालिग होने के चलते उसे जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजेबी) के सामने पेश करने के बाद ऑब्जर्वेशन होम भेज दिया गया। हालांकि, 10वीं क्लास की बोर्ड परीक्षाओं के आधार पर उसे अंतरिम बेल दे दी गई। सभी गाड़ियों को जब्त कर लिया गया है और उनकी मैकेनिकल जांच की गई है, डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई किए गए हैं और सीसीटीवी फुटेज इकट्ठा किए गए हैं। जांच के अनुसार, कार दूसरी दिशा से आ रही मोटरसाइकिल से टकराई और उसके बाद सड़क किनारे खड़ी टैक्सी से टकरा गई। आगे की जांच जारी है। पिता के खिलाफ भी मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 199ए के तहत कार्रवाई की गई है। उसके पिता का नाम भी चार्जशीट में शामिल किया जाएगा। मृतक साहिल धनेशरा की सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मैंने अपने बेटे साहिल धनेशरा को खो दिया, जो एक 22 साल का युवा और सबसे टैलेंटेड लड़का था, जिसे मैंने 23 साल तक अकेले एक सिंगल मां के तौर पर पाला-पोसा, उसे बिना लाइसेंस का कार चला रहे एक लड़के और उसकी बहन ने बेरहमी से मार डाला।

गाजियाबाद में लोनी के डीएलएफ और अंकुर विहार में रहने वालों के लिए गुड न्यूज, अगस्त से मिलेगी यह सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में लोनी क्षेत्र के डीएलएफ और अंकुर विहार इलाके में अगस्त से सीवर लाइन की सुविधा मिल सकेगी। सीवर लाइन डालने की योजना का काम 76 फीसदी पूरा हो चुका है। जल निगम की 66.36 करोड़ रुपये की योजना में 6927 मकानों को सीवर कनेक्शन से जोड़ा जाएगा। लोनी के अंकुर विहार और डीएलएफ इलाके में सीवर लाइन न होने से यहां गंदगी की समस्या रहती है। घरों से निकलने वाली गंदगी भी नालों से होकर नदी में गिरती है, जिससे नदी का पानी भी प्रदूषित होता है। जल प्रदूषण रोकने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए जल निगम ने यहां सीवर लाइन डालने का प्रस्ताव बनाया था। अमृत योजना 2.0 के तहत इस योजना को स्वीकृति मिली और 66.36 करोड़ रुपये की लागत से इसका कार्य जुलाई 2024 में शुरू किया गया था। दोनों इलाकों में 57.61 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन डाली जा रही है, जिसमें से 53 किलोमीटर के दायरे में पाइपलाइन डालने का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा यहां पर एक पंपिंग स्टेशन भी बनाया जा रहा है, जो घरों से आने वाले गंदे पानी को एसटीपी तक भेजेगा। इसका भी 55 फीसदी तक कार्य पूरा हो गया है। योजना लगभग 76 फीसदी पूरी हो चुकी है। अधिकारियों का दावा है कि जुलाई 2026 तक तय डेडलाइन पर कार्य पूरा कर लिया जाएगा। अंकुर विहार और डीएलएफ इलाके से निकलने वाला सीवर का पानी लोनी में पहले से संचालित 30 एमएलडी के एसटीपी पर शोधित होगा। अभी एसटीपी पर 20 एमएलडी सीवरेज का शोधन हो रहा है। इन दोनों इलाकों से करीब सात एमएलडी सीवरेज निकलेगा। इसीलिए पंपिंग स्टेशन को 10 एमएलडी का बनाया जा रहा है, ताकि आबादी बढ़ने पर यह ओवरलोड न हो। योजना के सर्वे के समय अंकुर विहार और डीएलएफ इलाके में 6,927 मकान चिह्नित किए गए थे। इसी के आधार पर कार्य शुरू किया गया है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि कनेक्शन की संख्या सात हजार से अधिक हो सकती है। जुलाई में काम पूरा होने के बाद अगस्त से सीवर कनेक्शन दिए जाएंगे। सीवर नेटवर्क से जुड़ने के बाद दोनों इलाकों में रहने वाली 50 हजार से अधिक की आबादी को लाभ मिलेगा। अभी सीवर का पानी नालियों में बहता है, जिससे गंदगी बढ़ रही है। लोगों को गंदगी से निजात मिलेगी और नाले से होकर नदी में जाने वाले सीवर के पानी पर भी रोक लगेगी।

नो पार्किंग में गाड़ी छोड़ी तो समझो गई! गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस का मेगा चेकिंग अभियान शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने शहर के 10 अलग-अलग हिस्सों में अवैध पार्किंग को लेकर मंगलवार से मेगा चेकिंग अभियान शुरू किया है। पुलिस ऐसे वाहनों पर सख्ती दिखाएगी जो कि नो पार्किंग जोन में खड़े मिलेंगे। अधिकारियों ने बताया है कि यह अभियान मुख्य सड़कों और सेक्टर 29, 44, 51, मेदांता मेडिसिटी, गोल्फ कोर्स रोड और एआईटी चौक के पास स्थित बाजारों के बाहर चलाया जाएगा। पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) राजेश मोहन ने कहा इस अभियान के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं जो कि ईस्ट और वेस्ट जोन में चेकिंग अभियान का नेतृत्व करेंगी। सदर बाजार, ओल्ड महरौली रोड (सेक्टर 14 मार्केट की ओर) और सेक्टर 83 में सफायर मॉल जैसे प्रमुख बाजारों के बाहर चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इन जगहों पर जो भी वाहन अवैध रूप से पार्क किए हुए मिलेंगे, उन्हें क्रेन से उठा लिया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, ईस्ट जोन में सेक्टर 29, 44 और 51 के बाजारों के साथ-साथ मेदांता मेडिसिटी, आईएमटी यूनिवर्सिटी और गोल्फ कोर्स रोड पर एआईटी चौक के आस-पास के रास्तों पर नजर रखी जाएगी। वहीं, वेस्ट जोन में सदर बाजार, ओल्ड महरौली रोड, सनथ रोड के पास पासपोर्ट अथॉरिटी ऑफिस और सेक्टर 83 में सफायर मॉल के आसपास के इलाकों में चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया है कि चेकिंग अभियान पूरे दिन चलेगा और विशेषकर पीक ऑवर्स (व्यस्त समय) में ये और तेज होगा। अभियान कब तक चलेगा इसके लिए कोई डेडलाइन फिक्स नहीं की गई है क्योंकि यह तब तक जारी रहेगा जब तक चिन्हित स्थानों पर पार्किंग की स्थिति में सुधार नहीं हो जाता या फिर वाहन चालक ट्रैफिक नियमों को मानना शुरू नहीं कर देते।

चीन के लिए क्यों बन रही बड़ी चुनौती?

सुलेमानी किलर एमक्यू-9 रीपर ड्रोन की एशिया में बढ़ती तैनाती

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका एशिया, खासकर चीन के आसपास, अपने एमक्यू-9 रीपर ड्रोन की तैनाती तेजी से बढ़ा रहा है। इससे चीन के लिए नई सुरक्षा और रणनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। एमक्यू-9 रीपर एक ऐसा अत्याधुनिक ड्रोन है जो निगरानी (जासूसी) और हमला-दोनों काम कर सकता है। इसका इस्तेमाल 2020 में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी के खिलाफ किए गए ऑपरेशन में भी किया गया था। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यह ड्रोन अमेरिका की निगरानी और सुरक्षा रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

एमक्यू-9 रीपर की ताकत क्या है?: एमक्यू-9 ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी ऊंची उड़ान और लंबी अवधि तक हवा में बने रहने की क्षमता है। यह करीब 15,240 मीटर (50,000 फीट) की ऊंचाई तक उड़ सकता है। इसकी अधिकतम रफ्तार लगभग 480 किमी प्रति घंटा है। यह करीब 27 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है।

चीनी सैन्य विशेषज्ञों के मुताबिक, यह ड्रोन चीन की सीमा से दूर रहकर भी उसके आसपास की गतिविधियों पर नजर रख सकता है। इसकी तकनीक ऐसी है कि इसे पकड़ना आसान नहीं होता। इसमें हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे, उन्नत सेंसर और सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम लगे होते हैं, जो रियल टाइम में जानकारी भेज सकते हैं। जरूरत पड़ने पर यह लेजर-गाइडेड बम और मिसाइल से हमला भी कर सकता है।

नया एमक्यू-9बी सी गार्डियन मॉडल जनवरी में इसके नए वैरिएंट एमक्यू-9बी सी गार्डियन में एक खास सिस्टम जोड़ा गया है, जो पहले से दोगुने सोनाबॉय गिरा सकता है। सोनाबॉय समुद्र में पनडुब्बियों का पता लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। इससे समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी अभियानों में इसकी ताकत और बढ़ गई है, जो दक्षिण चीन सागर जैसे संवेदनशील इलाकों में अहम मानी जा रही है।

किन देशों में तैनात हैं ये ड्रोन? अमेरिका ने जापान के ओकिनावा स्थित 14 एमक्यू-9 ड्रोन तैनात किए हैं। इसके अलावा दक्षिण कोरिया के कुनसान एयर बेस और फिलीपींस के बासा एयर बेस पर। इन ठिकानों से पूर्वी चीन सागर, ताइवान स्ट्रेट और दक्षिण चीन सागर पर लगातार नजर रखी जा सकती है। चीन के लिए क्यों चिंता की बात? विशेषज्ञों का मानना है कि इन ड्रोन की तैनाती से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को चीन की सैन्य गतिविधियों पर करीबी नजर रखने में मदद मिल रही है। इससे क्षेत्र में शक्ति संतुलन बदल सकता है। हालांकि चीन के पास भी उन्नत एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम, लेजर हथियार और आधुनिक ड्रोन मौजूद हैं। लेकिन शांति के समय बिना सीधे टकराव के इन ड्रोन गतिविधियों का जवाब देना चीन के लिए रणनीतिक रूप से बड़ी चुनौती बन सकता है।

द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगी नई गति

म्यूनिख , एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनकी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद ने अगले महीने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा से पहले म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग को गहरा करने और साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की।कनाडा के एक अधिकारी ने कहा है कि कार्नी संभवतः 1-2 मार्च को भारत में होंगे।

सितंबर 2025 के बाद से दोनों विदेश मंत्रियों के बीच यह पांचवीं बैठक है, जो कनाडा-भारत संबंधों में बढ़ती गति को दर्शाती है। दोनों मंत्रियों ने ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और व्यापार सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की। भारत-कनाडा संबंध लगातार प्रगति कर रहे हैं जयशंकर ने एक पोस्ट में कहा, कनाडा की विदेश मंत्री से मुलाकात और बातचीत करना बहुत अच्छा लगा। भारत-कनाडा संबंध लगातार प्रगति कर रहे हैं। वहीं, आनंद ने कहा, अपने भारतीय समकक्ष से मिलकर कनाडा-भारत संबंधों और साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए आगे के कार्यों पर चर्चा करना अच्छा लगा। आनंद ने कनाडा के लिए एक

साझेदार के रूप में भारत के महत्व को रेखांकित किया, क्योंकि दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के व्यवसायों, उद्योगों और श्रमिकों के लिए तकनीकी लाभों और महत्वपूर्ण साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने आगे कहा, कनाडा रचनात्मक सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है, और मैं भारत में अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए उत्सुक हूं।

नहीं रहे हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रॉबर्ट डुवैल

लास एंजिल्स, एजेंसी। ऑस्कर विजेता अभिनेता रॉबर्ट डुवैल का निधन हो गया। रॉबर्ट डुवैल 95 वर्ष के थे। उनकी पत्नी लुसियाना की ओर से उनकी जनसंपर्क एजेंसी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, डुवैल का रविवार को वर्जीनिया के मिडलबर्ग स्थित उनके घर पर निधन हो गया।

ऑस्कर विजेता अभिनेता रॉबर्ट डुवैल द गॉडफादर अपोकैलिप्स नाउ और छह दशकों तक फैले अपने शानदार फिल्मी करियर में कई अन्य दमदार किरदारों के लिए जाने जाते थे। उनकी पत्नी लुसियाना डुवैल ने उनके निधन की पुष्टि की। उनकी पत्नी ने कहा, रविवार को हमने अपने प्रिय पति, प्रिय मित्र और हमारे समय के महानतम अभिनेताओं में से एक रॉबर्ट डुवैल को खो दिया। रॉबर्ट डुवैल का निधन उनके वर्जीनिया के मिडलबर्ग स्थित घर पर हुआ। चकाचौंध से दूर रहने वाले डुवैल ऑस्कर अवार्ड जीत चुके हैं और छह बार इसके लिए नामांकित हुए। फ्रांसिस फोर्ड कोपोला की फिल्म द गॉडफादर में डुवैल ने कोरलियोन परिवार के सलाहकार की यादगार भूमिका निभाई थी, जिसके

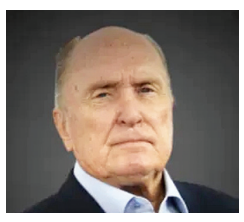

लिए उन्हें 1972 की इस फिल्म के लिए अपने सात अकादमी पुरस्कारों में से पहला नामांकन मिला था।

इसके ठीक दो साल बाद द गॉडफादर पार्ट में भी डुवैल ने यही भूमिका निभाई थी, लेकिन सैलरी विवाद के कारण डुवैल ने द गॉडफादर पार्ट में काम नहीं किया। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता रॉबर्ट डुवैल का जन्म सैन डिएगो, कैलिफोर्निया, अमेरिका में हुआ था। डुवैल का जन्म 5 जनवरी 1931 को हुआ था और उन्होंने अपना अधिकांश बचपन एनापोलिस, मैरीलैंड में बिताया। डुवैल के पिता एक पेशेवर नौसेना अधिकारी थे।

सहयोगियों पर चीन से दूरी का दबाव नहीं डालेगा अमेरिका

विदेश मंत्री रुबियो बोले- राष्ट्रीय हित सर्वोपरि

बुडापेस्ट, एजेंसी। अमेरिका ने साफ कर दिया है कि वह अपने सहयोगी देशों से चीन से दूरी बनाने की कोई वैचारिक शर्त नहीं रखेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की प्राथमिकता यह है कि दुनिया का हर देश अपने राष्ट्रीय हित में निर्णय ले। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान रुबियो ने कहा 'हम किसी भी देश से यह नहीं कह रहे कि वे खुद को किसी से अलग-थलग करें, चाहे वह चीन ही क्यों न हो।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज है। हालांकि, रुबियो ने स्पष्ट किया कि प्रतिस्पर्धा का मतलब

संबंध खत्म करना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह पागलपन होगा कि अमेरिका और चीन आपस में बातचीत या संबंध न रखें।

ट्रंप प्रशासन की नई विदेश नीति: रुबियो ने संकेत दिया कि ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति वैचारिक दबाव के बजाय व्यावहारिक दृष्टिकोण पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हर देश को अपनी भौगोलिक, आर्थिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फैसले लेने होते हैं। दौरान अमेरिका और हंगरी के बीच नागरिक परमाणु कार्यक्रम में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। हंगरी, जो नाटो और यूरोपीय संघ का सदस्य है, हाल के वर्षों में चीन के निवेश को बढ़ावा देता रहा है। रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और हंगरी केप्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन के बीच बहुत करीबी व्यक्तिगत और कार्य संबंध हैं, जिसने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत किया है। ऑर्बन ने मौजूदा दौर को अमेरिका-हंगरी संबंधों का स्वर्ण युग बताया।

चीन पर खुलापन, लेकिन आर्थिक चेतावनी भी: हालांकि अमेरिका चीन से रिश्ते बनाए रखने की बात कर रहा है, लेकिन रुबियो ने आर्थिक निर्भरता को लेकर स्पष्ट चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा दुनिया के लिए यह अच्छा नहीं है कि किसी एक देश या अर्थव्यवस्था पर 90 प्रतिशत तक निर्भर रहा जाए, खासकर महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं में। प्रेस वार्ता में यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी उठा। रुबियो ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि युद्ध समाप्त हो और वह दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहा है। ईरान पर उन्होंने कहा कि कोई भी समझौता आसान नहीं होगा, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप शांतिपूर्ण समाधान को प्राथमिकता देते हैं।

संपादकीय | क्या है न्यायपालिका का 'इन-हाउस' जांच तंत्र

न्यायपालिका लोकतंत्र का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्तंभ होता है, जो कानून के शासन को बनाए रखने और संविधान की मौलिकता के संरक्षण में अहम भूमिका निभाता है। भारत में न्यायपालिका को न्याय का मंदिर कहा जाता है, जहां विवादों का निस्तारण कर नागरिक अधिकारों की रक्षा की जाती है। किसी भी तरह की परेशानी या जटिल परिस्थिति में नागरिकों के लिए न्यायपालिका अंतिम आस होती है। ऐसे में अगर न्यायिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने लगे, तो उस भरोसे का क्या होगा, जो न्याय की उम्मीद पर टिका होता है।

यह चिंता सरकार के उन आंकड़ों से उपजी है, जिनमें कहा गया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश के कार्यालय को वर्ष 2016 से अब तक मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ 8,600 से अधिक शिकायतें मिली हैं। सरकार की ओर से शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी गई, जिसके मुताबिक वर्ष 2024 में सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। यानी समय के साथ शिकायतों का यह सिलसिला बढ़ रहा है।दरअसल, लोकतंत्र में न्यायपालिका से उम्मीद की जाती है कि वह निष्पक्षता, पारदर्शिता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ काम करेगी। नागरिक अधिकारों की रक्षा करना न्यायपालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, इसलिए वह जनता के लिए साहस और आत्मविश्वास का स्रोत भी होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शक्ति संतुलन बनाए रखने में भी इसकी भूमिका अहम है। आम आदमी की न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक प्रणाली की शुचिता को बनाए रखना बेहद जरूरी है और यह तभी संभव हो पाता है, जब

न्यायिक अधिकारियों का आचरण पूरी तरह पाक-साफ हो। इसमें दोराय नहीं कि विधायिका और कार्यपालिका की तुलना में आम नागरिक न्यायपालिका पर अधिक निर्भर रहते हैं, क्योंकि उन्हें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा होता है। न्यायिक प्रक्रिया भी तभी निष्पक्ष और निर्भीक हो सकती है, जब वह किसी भी तरह के अनुचित हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त हो। नियमानुसार उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों का निपटारा न्यायपालिका द्वारा 'आंतरिक तंत्र' के माध्यम से किया जाता है। वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दो प्रस्ताव पारित किए गए थे, जिनके तहत शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के अनुपालन के लिए कुछ मानक और सिद्धांत निर्धारित किए गए थे। इनका पालन न होने पर आंतरिक प्रक्रिया के तहत संबंधित न्यायिक अधिकारियों पर कार्रवाई की जाती है। मगर, न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतें बढ़ने का क्रम यह दर्शाता है कि आंतरिक जांच प्रक्रिया या तो धीमी है या फिर उसमें कोई बाधा उत्पन्न हो रही है। न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के मामले यदाकदा सामने आते रहते हैं, लेकिन उनकी जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और समय सीमा का अभाव नजर आता है। पिछले वर्ष मार्च में सामने आए एक न्यायाधीश के दिल्ली स्थित आवास पर जले हुए नोटों की गड्डी मिलने के मामले में अब तक कोई खास प्रगति न होने पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि अगर यह मामला किसी प्रशासनिक अधिकारी या आम नागरिक से जुड़ा होता, तो जांच प्रक्रिया अब तक काफी आगे पहुंच गई होती। इस स्थिति के पीछे उच्च न्यायपालिका के न्यायाधीशों के मामलों में जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया का जटिल ढांचा भी एक बड़ा कारण है, जिसे सरल एवं स्पष्ट बनाए जाने की जरूरत है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में नागरिकों का भरोसा कायम रहे।

किस राह चलेगी बांग्लादेश की नई सरकार

बांग्लादेश में हुए चुनावों के बाद जैसे नतीजे आए हैं, उससे साफ है कि अब वहां सत्ता और सियासत का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। खासतौर पर इसलिए भी कि वहां कुल 300 में से बीएनपी यानी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को अकेले 209 सीटें मिली हैं। इसके बरक्स जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगियों को सत्तहत्तर सीटें मिली हैं। जबकि वर्ष 2024 में बांग्लादेश में हुई व्यापक उथल-पुथल के दौरान छात्र आंदोलनों से निकली एनसीपी यानी नेशनल सिटिजंस पार्टी को सिर्फ छह सीटें मिल सकीं। शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग ने चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था। अब संभावना यही है कि पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान के हाथों में देश की कमान होगी। गौरतलब है कि बीएनपी ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत 'बांग्लादेश सबसे पहले' के नारे के साथ की थी। अब जबकि बीएनपी को देश के मतदाताओं ने भारी बहुमत से जिताया है, तो उसके बाद यह देखने की बात होगी कि नई सरकार अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मोर्चे पर इस नारे को किस हद तक केंद्र में रख पाती है। खासतौर पर चीन ने जिस तरह बांग्लादेश में दीर्घकालिक हित के मद्देनजर लंबी अवधि के लिए भारी निवेश किया है, उसमें नई सरकार के लिए अपने देश के हित के सवालों पर 'सबसे पहले' की नीति सुनिश्चित करना संवेदनशील फैसला होगा। मगर बांग्लादेश की असली परीक्षा भारत के साथ अपने संबंधों की दिशा तय करने के संदर्भ में होगी। दरअसल, इस क्षेत्र की भौगोलिक हकीकत यह तय करती है कि बांग्लादेश के संबंध में भारत की भूमिका निर्णायक रहेगी। बांग्लादेश की करीब चौरानबे फीसद सीमा भारत के साथ लगी हुई है। यानी सुरक्षा और व्यापार के मामले में बांग्लादेश के लिए भारत की अनदेखी करना आसान नहीं होगा। बहुत कुछ इस पर निर्भर होगा कि मतभेद के कई बिंदुओं के बावजूद बांग्लादेश की नई सरकार भारत को लेकर क्या रुख अपनाती है। हाल के समय में बांग्लादेश में जिस तरह का तीव्र ध्रुवीकरण देखा गया, उसे संभालना और फिर से सहज माहौल बनाना वहां की नई सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

आज का कार्टून

आखिर सेवा तीर्थ से उपजते सियासी सवालों के जवाब कब तक मिलेंगे?

पीएम नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ के उद्घाटन के बाद महिलाओं, युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों के कल्याण से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलों पर हस्ताक्षर किए। उनके प्रमुख फैसले में पीएम राहत योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा, ताकि तत्काल चिकित्सा सहायता से जान बचाई जा सके। और लखपति दीदी लक्ष्य के अंतर्गत महिलाओं के लिए लक्ष्य को दोगुना कर 6 करोड़ करना, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना शामिल है। वहीं अन्य निर्णय के तहत कृषि अवसंरचना निधि को दोगुना बढ़ाकर 2 लाख करोड़ रुपये करना, किसानों को मजबूत समर्थन देना शामिल है। जबकि स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को मंजूरी, युवाओं और उद्यमियों के लिए नई संभावनाएँ खोली जाएंगी। इस प्रकार ये फैसले सेवा तीर्थ के 'नागरिक देवो भव' मंत्र को साकार करते हैं, जो 12-13 फरवरी 2026 को लिए गए।

कमलेश पांडे

कहते हैं कि शब्द ब्रह्म है और हर शब्द अपने मंत्रमय भावमय अस्तित्व से आकार ग्रहण करते हुए देर-सबेर साकार होता है। इस दृष्टिकोण से दूरद्रष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नाम परिवर्तन' द्वारा जनमानस की सोच में बदलाव की जो मुहिम चलाई है, वह सुसंस्कृत भारत के निमित्त 'नाम/विचार परिवर्तन यात्रा' अनवरत रूप से जारी है। इसी कड़ी में हमारा 'गवर्नमेंट ऑफ भारत' अपने 'लोककल्याण मार्ग' (सेवन रेस कोर्स) व 'कर्तव्य पथ' (राजपथ) होते हुए अब 'सेवा तीर्थ' (पीएमओ) तक के अपने वैचारिक सफर को पूरा कर चुका है।

पहले नया संसद भवन और अब कर्तव्य भवन 1 और 2 इसकी बानगी भर हैं जबकि अन्य बदलाव भी प्रक्रियाधीन हैं और नाम-भवन परिवर्तन द्वारा, भाव परिवर्तन यात्रा गतिमान है। वास्तव में, यह नया बदलाव नया भारत यानी गवर्नमेंट ऑफ भारत (गवर्नमेंट ऑफ इंडिया) के मार्फ़त लिए हुए फैसलों में सिर्फ 'मिल का पत्थर' भर है, और विगत लगभग एक दशक में हमलोग ऐसे ही कुछेक महत्वपूर्ण मिल के पत्थरों को पार करते हुए इस अहम मुकाम तक चुके हैं।

देखा जाए तो अमृत भारत और विकसित भारत के दृष्टिगत ये नाम, विचार व भवन बदलाव यात्रा गतिमान है, जिसके नीति आयोग (योजना आयोग) जैसे अहम सियासी व प्रशासनिक मायने हैं। लिहाजा, विपक्ष इस आधुनातन सोच-समझ की आलोचना अपने तरीके से कर रहा है, लेकिन यहां हम मीडिया यानी चौथे स्तम्भ के नाते इस अहम निर्णय से जुड़े जनपक्ष को लेकर कुछ सवाल उठाएंगे और जवाब भी मिले, इसकी प्रतीक्षा करेंगे। यह ठीक है कि प्रधानमंत्री कार्यालय का पता औपनिवेशिक दौर की साउथ ब्लॉक इमारत से बदलकर अब सेवा तीर्थ परिसर हो गया है। प्रधानमंत्री ने अपने नए ऑफिस से महिलाओं, किसानों और युवाओं से जुड़े कई अहम फैसले भी लिए। इससे मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, 'सेवा परमो धर्म की भावना ही नए सेवा तीर्थ परिसर की आत्मा है। यह केवल भवन नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण के संकल्प का प्रतीक है। आज का संकल्प और परिश्रम ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा। चूंकि शासन का केंद्र अब नागरिक हैं। इस भवन में लिया गया हर निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से होना चाहिए।'

इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा कि 'आजादी के बाद नार्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक जैसी इमारतों से देश के लिए नीतियां बनीं, कई निर्णय हुए। यह भी सच है कि ये पुरानी इमारतें ब्रिटिश हुकूमत का, गुलामी का प्रतीक थी। गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। साल 2014 में देश ने यह तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है।'

यदि उनके नजरिए से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ जैसे लोकतांत्रिक तीर्थ के उद्घाटन के मौके पर यह कहकर बौद्धिक हलचल मचा दी है कि 'पुरानी इमारतें ब्रिटिश हुकूमत का, गुलामी का प्रतीक थी। गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। साल 2014 में देश ने यह तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है।'

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुलामी के किन-किन प्रतीकों को बदलेंगे और कब तक बदलेंगे? और क्या इसकी कोई समय सारणी तय हुई है या फिर इनमें भी वह ईसाइयों द्वारा निर्मित भवन को पहले और मुस्लिम शासकों द्वारा निर्मित भवन को बाद में बदलेंगे? क्योंकि बहुमत प्राप्ति के दृष्टिगत सियासत भी जरूरी है और गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति भी! क्योंकि भारत तो इस्लामिक आक्रमणकारियों और ईसाई कारोबारियों दोनों का 800 वर्षों तक गुलाम रहा है।

वहीं खास बात तो यह कि देश को गुलाम बनाए रखने का बौद्धिक हथियार यानी फूट डालो और शासन करो (डिवाइड एंड रूल) जैसे गुलामी मंत्र ' जाति आधारित आरक्षण' और ' धर्म आधारित अल्पसंख्यक' वाले सोच को प्रधानमंत्री कब तक बदलेंगे? या फिर हिंदुओं व मुस्लिमों में कभी फूट डालने और कभी एक जुट करने के ये हथियार अकसर नया धार पाते रहेंगे?

साथ ही, मुगलिया दस्ता के प्रतीक और मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा निर्मित उस 'लालकिला' परिसर को कब तक बदलेंगे, जहां पर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री हर वर्ष राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फ़हराते हैं और राष्ट्रीय हित व जनहित से जुड़े अपने महत्वपूर्ण सम्बोधन देते आये हैं। जी हां, देशवासी पूरी राम कथा जानना चाहते हैं! क्योंकि कुछ तो उनके शागिर्दों के सियासी हथियार तक बन चुके हैं।

यह ठीक है कि राम मंदिर निर्माण (कथित बाबरी मस्जिद के भग्नावशेष पर) करके और नया संसद भवन व कर्तव्य भवन 1 और 2 (ब्रिटिश शासकों द्वारा निर्मित भवनों के बगल में या उनकी जगह पर) का निर्माण करके, जिसमें सेवा तीर्थ भी शामिल है, प्रधानमंत्री ने यादगार शुरुआत कर दी है, लेकिन आगे कहां तक, कब तक यह प्रक्रिया जारी रहेगी, लोगों में जानने की उत्सुकता है, क्योंकि गुलामी की दासता के ढेर से प्रतीक अब भी हमारे शासन प्रतिष्ठान और जनमानस को मुंह चिढ़ाते प्रतीत हो रहे हैं, जिन्हें अविलंब बदला जाना चाहिए।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पहले अपने नए पीएम ऑफिस 'सेवा तीर्थ' की शुरुआत की। फिर शाम को कर्तव्य भवन 1 और 2 का लोकार्पण किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल खट्टर और डॉ. जितेंद्र सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, प्रधान सचिव पी. के. मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति भी रही, जिनकी अहम मौजूदगी में प्रधानमंत्री ने इन नवनिर्मित परिसरों का लोकार्पण किया।

अब यहां पर सरकार के कई बड़े दफ्तर और मंत्रालय एक ही जगह पर होंगे। चूंकि पहले ये दफ्तर अलग-अलग जगहों पर, पुराने भवनों में चलते थे। इसलिए काम में देरी होती थी, क्योंकि अफसरों को एक-दूसरे से मिलने में परेशानी होती थी और आम लोगों को भी अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब सेवा तीर्थ परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय एक साथ काम करेंगे। यानी देश के बड़े फैसलों से जुड़े दफ्तर एक ही जगह होंगे, जिससे फैसले जल्दी होंगे और कामकाज में तालमेल बेहतर रहेगा।

यही नहीं, चूंकि कर्तव्य भवन-1 और 2 में कई अहम मंत्रालयों को जगह दी गई है। इनमें वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, कानून, सूचना एवं प्रसारण, संस्कृति, रसायन एवं उर्वरक, जनजातीय कार्य और कॉरपोरेट कार्य जैसे मंत्रालय शामिल है। इसका फायदा यह होगा कि लोगों को अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग जगह भटकना नहीं पड़ेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ के उद्घाटन के बाद महिलाओं, युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों के कल्याण से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलों पर हस्ताक्षर किए। उनके प्रमुख फैसले में पीएम राहत योजना के तहत दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा, ताकि तत्काल चिकित्सा सहायता से जान बचाई जा सके। और लखपति दीदी लक्ष्य के अंतर्गत महिलाओं के लिए लक्ष्य को दोगुना कर 6 करोड़ करना, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना शामिल है।

वहीं अन्य निर्णय के तहत कृषि अवसंरचना निधि को दोगुना बढ़ाकर 2 लाख करोड़ रुपये करना, किसानों को मजबूत समर्थन देना शामिल है। जबकि स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को मंजूरी, युवाओं और उद्यमियों के लिए नई संभावनाएँ खोली जाएंगी। इस प्रकार ये फैसले सेवा तीर्थ के 'नागरिक देवो भव' मंत्र को साकार करते हैं, जो 12-13 फरवरी 2026 को लिए गए।

हालांकि कुछ आलोचक लोग तो यहां तक कह रहे हैं कि सेवा तीर्थ द्वारा अब आरक्षण जैसे मेवा का प्रसाद मुंह देखकर बांटा जाएगा और कथित सामाजिक न्याय आधारित हिंदुत्व के जयकारे चटखारे पूर्वक लगते रहें, इसके मुकम्मल इंतजाम किए जाएंगे। इस प्रकार यह एक नया राजनीतिक-सामाजिक तीर्थ बना दिया जाएगा। शायद भारत इसी कोशिश से विश्व गुरु बन जाये।

स्वर्ग से कम नहीं है अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना

जो व्यक्ति जितना सुखी है या पूरी तरह से स्वस्थ है, तो वह जीवन में एक तरह से वास्तविक स्वर्ग का जीवन जी रहा है। अगर उसके जीवन में ईर्ष्या, द्वेष, षड्यंत्र आदि दुर्गुण भरे हुए हैं, तो उसका जीवन अपने आप में नरक है। वह कुंठित होकर अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि वह अपने नारकीय जीवन को पहचान नहीं पाता। वह अपनी धूर्त मानसिकता और हल्केपन को अपनी चालाकी समझता है और हर घड़ी दूसरे के अहित को अपनी उपलब्धि मानकर प्रसन्न रहता है।

गिरीश पंकज

ईश्वर को किसी ने नहीं देखा। पुनर्जन्म होता या नहीं, इसके बारे में भी कहा नहीं जा सकता, लेकिन एक डर लोगों के मन में बैठा रहता है। हमेशा बैठाया भी जाता है कि अच्छे काम करोगे, तो अगले जन्म में मनुष्य बनकर पैदा होगे और बुरे काम करोगे तो तरह-तरह के पशुओं में तुम्हारा जन्म होता रहेगा। चौरासी लाख योनियों में भटकने की बात धर्मग्रंथ करते हैं। व्यक्ति के मन में भय इसलिए पैदा किया जाता है कि वह नैतिक दृष्टि से ठीक-ठाक रहे। उसके अंदर मानवता, करुणा, सच्चाई, ईमानदारी जिंदा रहे। जिस समाज में ऐसे सज्जनों की बहुलता रहती है, वह समाज खुशहाल रहता है। इसलिए सदियों से हमारे धर्मग्रंथों और ऋषि-मुनियों ने मनुष्यों में सदाचरण पर जोर दिया और उस सदाचरण को बरकरार रखने के लिए उन्होंने स्वर्ग-नरक की कथाएं भी रचीं। सच्चाई यह है कि इस स्वर्ग-नरक को किसी ने देखा नहीं है, लेकिन धर्मभीरू समाज के मन में यह बात बिठा दी गई है कि ईश्वर हमें देख रहा है... हमारे हर गलत सही काम पर उसकी नजर है। इस भय से ही आम इंसान जीवन में गलत काम करने से बचता है। यह सिर्फ एक कल्पना है और एक तरह से मनुष्य को सन्मार्ग दिखाने, उस पर चलाने की एक उत्तम प्रविधि है। जैसे आजकल

बहुत सारे अपराध सिर्फ इसलिए नहीं होते कि जगह-जगह खुफिया कैमरे लगे होते हैं और किसी दीवार पर एक पंक्ति लिखी होती है कि 'आप कैमरे की निगाह में हैं।' पहले लोगों से कहा जाता था कि आप ईश्वर की निगाह में हैं। उस चेतावनी को बहुत कम लोग मानते थे, लेकिन इस भौतिक चेतावनी को लोग गंभीरता से मानते हैं और गलत काम करने से बचते भी हैं। ज्यादा दुस्साहसी अपराधी पहले खुफिया कैमरे को तोड़ भी देते हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। और बुरे काम करके उसका कुपरिणाम भोगना नरक है। यह सभी महसूस भी करते हैं। अपने सामने ऐसा घटित होते देखते भी हैं। न जाने कितने अरबपति व्यापारी, भ्रष्ट नेता या घोटालेबाज अफसर बेईमानी की कमाई करने के बाद एक दिन जब गिरफ्तार होकर जेल भेज दिए जाते हैं, तो लोग यही कहते हैं कि देखो, उन्हें अपने किए का फल मिल गया। कल तक वे स्वर्ग भोग रहा थे, आज नरक भोग रहे हैं।

दूसरी तरफ स्वर्ग वे भोग रहे होते हैं, जो संतोषी हैं और सुखी हैं। लोग जब दान-पुण्य करते हैं, तो उनके अंतर्मन में एक सुखानुभूति होती है। यह सुखद अनुभूति किसी स्वर्ग से कम नहीं है। उदार मन का धनी व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा दान करता है, तो उसकी ख्याति बढ़ती जाती है। तब उसके मन को जो परमानंद मिलता है, दरअसल वही स्वर्ग है।

जो व्यक्ति जितना सुखी है या पूरी तरह से स्वस्थ है, तो वह जीवन में एक तरह से वास्तविक स्वर्ग का जीवन जी रहा है। अगर उसके जीवन में ईर्ष्या, द्वेष, षड्यंत्र आदि दुर्गुण भरे हुए हैं, तो उसका जीवन अपने आप में नरक है। वह कुंठित होकर अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि वह अपने नारकीय जीवन को पहचान नहीं पाता। वह अपनी धूर्त मानसिकता और हल्केपन को अपनी चालाकी समझता है और हर घड़ी दूसरे के अहित को अपनी उपलब्धि मानकर प्रसन्न रहता है।

जिस दिन ऐसे लोग आत्म-मंथन करते हुए यह विचार करने लगेंगे कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई', तो वे अपना रास्ता बदल सकते हैं। वे अपने हृदय को निर्मल कर लें, उदार कर लें और यह सोचने लगें कि सभी सुखी रहें, सभी निरोगी रहें, सभी का कल्याण हो, तो फिर उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आ जाएगा। धर्म-कर्म के पथ पर चलने वाले सच्चे लोग इसीलिए भीड़ में भी अलग दिखाई देते हैं।

धर्म-कर्म पर चलने का अर्थ यह नहीं कि लोग कट्टर हो जाएं और अपने-अपने धर्म के लिए आपस में भिड़ जाएं। अनेक लोग जीवन की सार्थकता लोक कल्याण के कार्य को ही समझते हैं। यही सच्ची धार्मिकता है। सोशल मीडिया के दौर में हम सब अनेक ऐसे वीडियो देखते हैं, जिसमें कोई पुलिसवाला किसी गरीब की मदद कर रहा है, उसे खाना खिला रहा है, कोई अमीर व्यक्ति फटेहाल बच्चों को अच्छे कपड़े पहना रहा है, कोई किसी की झोंपड़ी को पक्का करवा रहा है। परमार्थ के आने के वीडियो हम सब देखते हैं।

कुछ लोग अपनी लघु फिल्मों के माध्यम से समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना की दिशा में लगे हुए हैं। यह सारे कार्य हृदय को प्रसन्नता से भर देते हैं। जो इसे देखता है प्रसन्न होता है। कुछ संदेश ग्रहण करता है। फिल्म बनाने वाले को भी संतोष होता है कि उसने एक नेक काम किया। श्रेष्ठ साहित्य की रचना करके भी सुख की अनुभूति होती है। कहने का मतलब यह है कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। श्रेष्ठ कर्म स्वर्ग है और निकृष्ट कर्म नरक। जो विवेकवान हैं, वे इस मर्म को समझते हैं। जो जानबूझकर भी अनजान बने रहते हैं, उनके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता।

रणजी ट्रॉफी-मोहम्मद शमी का करियर बेस्ट

90 रन देकर 8 विकेट लिए, बंगाल को 26 रन की बढ़त, पडिक्कल के 232 रन से कर्नाटक मजबूत

कर्नाटक (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में मोहम्मद शमी ने एक पारी में 8 विकेट लिए। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का बेस्ट प्रदर्शन भी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 22.1 ओवर में 90 रन देकर 8 विकेट लिए। शमी के करियर बेस्ट की वजह से बंगाल ने पहली पारी में 26 रन की

बढ़त ले ली है।वहीं, लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे पहले सेमीफाइनल में कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने डबल सेंचुरी लगाई। उन्होंने 29 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 232 रन बनाए। पडिक्कल की पारी से कर्नाटक तीसरे दिन मजबूत स्थिति में नजर आ रही है।

इस सीजन में शानदार फॉर्म में शमी-मोहम्मद शमी रणजी ट्रॉफी के इस सीजन में अब तक कुल 36 विकेट ले चुके हैं। इससे पहले उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 16 विकेट लिए थे। विजय हजारे ट्रॉफी में भी उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए 15 विकेट हासिल किए थे। शमी लगभग एक साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

दूसरा सेमीफाइनल-कल्याणी के बंगाल क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड में बंगाल और जम्मू-कश्मीर के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला जा रहा है। सोमवार को मैच का तीसरा दिन चल रहा है। पहली पारी में बंगाल ने 328 रन बनाए थे। बंगाल के लिए सुदीप कुमार घरामी ने 146 रन की शतकीय पारी खेली थी। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी डार ने 5 विकेट लिए, जबकि सुनील कुमार ने 3 विकेट झटके।इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की शुरुआत खराब रही। 8वें ओवर तक टीम के 13 रन पर 3 विकेट गिर गए थे।

टीम इंडिया के कोच गंभीर को आईपीएल से ऑफर

लेकिन कोच पद बना रुकावट, केकेआर को 2024 में तीसरा आईपीएल खिताब दिलाया

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को आईपीएल की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स से बड़ा प्रस्ताव मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, टीम के नए निवेशकों में से एक ने गंभीर को पार्टनर, मेंटर और सीईओ का ऑफर दिया है।साथ ही उन्हें 2 से 3 प्रतिशत इक्विटी स्टेक देने की भी पेशकश की गई है। बताया जा रहा है कि फ्रेंचाइजी के अधिकतर मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी नए मालिकों को बेच रहे हैं और सौदा ट्रांसफर प्रक्रिया में है।

गंभीर इंडियन मेन्स क्रिकेट टीम के हेड कोच हैं

हालांकि, गंभीर फिलहाल इंडियन मेन्स क्रिकेट टीम के हेड

कोच हैं, ऐसे में वे यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं कर सकते। लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों के तहत सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट नियम है कि कोई भी व्यक्ति एक साथ टीम इंडिया और किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ आधिकारिक भूमिका में नहीं रह सकता।

कॉन्ट्रैक्ट 2027 एक दिवसीय वर्ल्ड कप के बाद खत्म होगा

गंभीर के करीबी सूत्रों का कहना है कि वह अभी पूरी तरह अपने मौजूदा पद पर रहेंगे। इनका बीसीसीआई के साथ कॉन्ट्रैक्ट है, जो 2027 एक दिवसीय वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो जाएगा।संन्यास के बाद गंभीर आईपीएल में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वे 2022 और 2023 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटर रहे और टीम को दोनों बार प्लेऑफ तक पहुंचाया। इसके बाद 2024 सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ जुड़कर फ्रेंचाइजी को तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

महिला वर्ल्ड कप जीत की हीरो को मिला बड़ा सम्मान

● साल की सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी बनीं स्मृति मंधाना

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को वर्ष 2025 के लिए 'बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' चुना गया है। यह सम्मान उन्हें महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने के लिए दिया गया। सोमवार को आयोजित भव्य समारोह में देश की कई महिला खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

वीडियो संदेश के जरिए जताया आभार

इस समय स्मृति मंधाना भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं, जहां टीम मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेल रही है। उन्होंने वीडियो संदेश के माध्यम से बीबीसी का धन्यवाद करते हुए कहा कि 2025 महिला क्रिकेट के लिए बेहद खास साल रहा और टीम की सफलता में योगदान देना उनके लिए गर्व की बात है।

करियर में लगातार नए कीर्तिमान

29 वर्षीय बाएं हाथ की बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला क्रिकेट की सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार हैं। महिला वनडे इंटरनेशनल में दूसरे सबसे ज्यादा शतक, मौजूदा खिलाड़ियों में कुल रन के मामले में दुनिया की तीसरे नंबर की बल्लेबाज, महाराष्ट्र के सांगली में जन्मी स्मृति को क्रिकेट की प्रेरणा उनके पिता और भाई से मिली, जो जिला स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड

सितंबर 2025 में स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महज 50 गेंदों में शतक जड़ दिया था। यह 50 ओवर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी भारतीय (पुरुष या महिला) द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक था। इस पारी के साथ उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

अन्य खिलाड़ियों को भी मिला सम्मान

युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर', पैरा एथलीट प्रीति पाल को 'पैरा स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर', पूर्व निशानेबाज अंजली भागवत को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड', विजेताओं का चयन लिएंडर पेस, दीपा मलिक और अंजू बॉबी जॉर्ज सहित प्रतिष्ठित जूरी द्वारा किया गया।

न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप के सुपर-8 में पहुंचा

कनाडा को 8 विकेट से हराया, युवराज टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बैटर बने

चेन्नई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 31वें मुकाबले में कनाडा को 8 विकेट से हराकर सुपर-8 में जगह पक्की कर ली। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए इस मैच में कनाडा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी और 20 ओवर में 4 विकेट पर 173 रन बनाए। जवाब में कीवी टीम ने 15.1 ओवर में सिर्फ 2 विकेट गंवाकर टारगेट हासिल कर लिया।

फिलिप्स-रचिन के अर्धशतक

174 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र ने अर्धशतक लगाए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए नाबाद 146 रन की साझेदारी हुई। फिलिप्स ने 36 बॉल पर नाबाद 76 रन बनाए। उन्होंने 3 कैच भी लिए। फिलिप्स को इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, रचिन ने 39 बॉल पर नॉटआउट 59 रन की पारी खेली। कनाडा के लिए साद बिन जफर और दिलोन हेलिगर को 1-1 विकेट मिला।

युवराज समरा का शतक

कनाडा के लिए युवराज समरा ने शतक लगाया। उन्होंने 65 बॉल पर 110 रन बनाए। 19 साल के युवराज टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के अहमद शहजाद के नाम थी, जिन्होंने 2014 में 22 साल 127 दिन की उम्र में बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में शतक लगाया था।टीम के लिए युवराज के अलावा कप्तान दिलप्रीत बाजवा ने 36 रन बनाए। युवराज और दिलप्रीत के बीच पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी हुई। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी, जैकब डफी, काइल जैमीसन और जिमी नीशम को 1-1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

न्यूजीलैंड- फिन एलन, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चापमन, डेरिल मिचेल (कप्तान), कोल मैककोनी, जिमी नीशम, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, जैकब डफी।

कनाडा-दिलप्रीत बाजवा (कप्तान), युवराज समरा, नवनीत धालीवाल, हर्ष ठाकेर, निकोलस किर्टन, श्रेयस मोव्वा (विकेटकीपर), साद बिन जफर, शिवम शर्मा, दिलोन हेलिगर, जसकरन सिंह, अंश पटेल।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026

सुपर 8 में भारत के मुकाबले इन टीमों से होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने लगातार तीन जीत दर्ज करते हुए सुपर 8 में शानदार अंदाज में जगह पक्की कर ली है। पाकिस्तान को 61 रन से हराकर टीम इंडिया ने ग्रुप 'ए' से अगले दौर का टिकट कटाया। अभी एक लीग मैच बाकी है, लेकिन भारत ने ग्रुप 1 में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

सुपर 8 का फॉर्मेट क्या रहेगा?

सुपर 8 में कुल 8 टीमें खेलेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर ग्रुप में चार टीमें होंगी। आईसीसी ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही संभावित ग्रुप तय कर दिए थे। यानी टीम टेबल में पहले या दूसरे स्थान पर रहे, उसे पहले से निर्धारित ग्रुप में ही रखा जाएगा।

ग्रुप 1 में किन टीमों से होगी भिड़ंत?

ग्रुप 1 में भारत के साथ वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया/जिम्बाब्वे में से एक टीम शामिल होगी। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका ने अपने तीनों मैच जीतकर सुपर 8 में जगह बना ली है। चौथी टीम का फैसला अभी बाकी है। ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे ग्रुप 'बी' में हैं और क्वालीफिकेशन की रेस में बने हुए हैं। आयरलैंड के पास भी बाहर से मौका है। अगर कोई प्री-सीडेड टीम (जैसे ऑस्ट्रेलिया) टॉप-2 में नहीं आती, तो उसकी जगह अगली सर्वश्रेष्ठ टीम को मिलेगी।

ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्डकप से लगभग बाहर

लगातार तीसरी जीत से श्रीलंका सुपर-8 में पहुंचा, निसंका ने इस टूर्नामेंट का पहला शतक लगाया

कालबा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया का टी-20 वर्ल्ड कप में एक और करारी हार झेलनी पड़ी है। उसे सोमवार के तीसरे मैच में श्रीलंका ने 8 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो गई है। अब उसकी उम्मीदें जिम्बाब्वे की हार पर टिकीं हैं। अगर जिम्बाब्वे मंगलवार को होने वाले मैच में आयरलैंड को हरा देती है, तो ऑस्ट्रेलिया बाहर हो जाएगी।

पल्लेकेले स्टेडियम में ग्रुप बी के इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 181 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका ने 182 रन का टारगेट 18 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। पथुम निसंका ने 52 बॉल पर नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस पारी में 10 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। निसंका ने इस टूर्नामेंट का पहला शतक लगाया। कुसल मेंडिस ने 51 रन बनाए। मार्कस स्टोयनिस को 2 विकेट मिले।

ऑस्ट्रेलिया से ट्रेविस हेड ने 56 और मिचेल मार्श ने 54 रन की पारी खेली। दोनों ने शतकीय साझेदारी की। जोश इंग्लिस ने 27 और ग्लेन मैक्सवेल ने 22 रन बनाए। दुष्मंथा चमीरा ने 3 विकेट झटके। दुष्मंथा चमीरा को 2 विकेट मिले।

श्रीलंका ने 8 रन पर पहला विकेट गंवाया, निसंका के शतक से जीती टीम

182 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंका की शुरुआत रही। टीम ने दूसरे ओवर में 8 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। यहां पर कुसल परेरा एक रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मार्कस स्टोयनिस ने कैच आउट कराया।

इसके बाद पथुम निसंका (नाबाद 100 रन) ने कुसल मेंडिस के साथ मिलकर टीम को 100 पार पहुंचा दिया। मेंडिस (38 गेंद पर 51 रन) के आउट होने के बाद निसंका ने पवन रत्नायके के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी। रत्नायके ने चौका लगाकर जिताया।

जिम्बाब्वे पर टिकीं ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदें

श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सुपर-8 में एंट्री कर ली। वहीं कंगारू टीम लगभग बाहर हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया को अब ओमान के खिलाफ आखिरी मैच में जीत के साथ जिम्बाब्वे के दोनों मैच हारने का इंतजार भी करनी होगी।

जिम्बाब्वे अगर श्रीलंका और आयरलैंड से हार जाए और ऑस्ट्रेलिया का रन रेट ग्रुप-बी में बेस्ट रहे, तभी कंगारू टीम क्वालिफाई कर पाएगी। वहीं जिम्बाब्वे ने आखिरी दोनों में से एक भी मैच जीत लिया तो टीम श्रीलंका के साथ सुपर-8 में जगह बना लेगी।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

ऑस्ट्रेलिया- मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, जोस इंग्लिस, कैमरन ग्रीन, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोयनिस, टिम डेविड, कूपर कोनोली, जैवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, और एडम जम्पा।

श्रीलंका- दसुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल परेरा, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, पवन रत्नायके, दुनिथ वेल्लालागे, दुषन हेमंथ, महीश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, मथीश पथिराना।

5 देशों के 14 पूर्व कप्तानों की पाकिस्तान सरकार को चिट्ठी

इमरान खान के इलाज की मांग, इनमें भारत के दो, पाकिस्तान का कोई नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की खराब सेहत को लेकर 14 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तान सरकार को चिट्ठी लिखी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अपील की है कि 73 साल के इमरान को जेल में उचित इलाज दिया जाए।

इस चिट्ठी पर सुनील गावस्कर, कपिल देव, ग्रेग चैपल, बेलिंडा क्लार्क, माइकल एथरटन, नासिर हुसैन, इयान चैपल, एलन बॉर्डर, माइकल ब्रियरली, डेविड गावर, किम ह्यूजेस, क्लाइव लॉयड, स्टीव वॉ और जॉन राइट ने साइन किए हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, इस चिट्ठी पर किसी भी पूर्व पाकिस्तानी कप्तान ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। हालांकि पिछले हफ्ते वसीम अकरम, वकार यूनिस और शाहिद अफरीदी समेत कई पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर इमरान के लिए उचित इलाज की मांग की थी।इमरान खान (बाएं) ने पाकिस्तान के लिए 1971 से 1992 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था।

इमरान की एक आंख की 85 प्रतिशत रोशनी खत्म-इमरान खान की एक आंख की करीब 85 प्रतिशत रोशनी चली गई है। यह खुलासा पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई जांच में हुआ है। सुप्रीम कोर्ट की

तरफ से नियुक्त वकील सलमान सफदर ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि इमरान खान जेल प्रशासन से कई महीनों आंखों में धुंधलापन होने की शिकायत कर रहे थे। अक्टूबर 2025 तक उनकी नजर सामान्य थी, लेकिन बाद में दाईं आंख की रोशनी अचानक चली गई। जांच के दौरान पिम्स अस्पताल के एक आई एक्सपर्ट को बुलाया गया था। डॉक्टरों ने पाया कि उनकी आंख में खून का थक्का जम गया था, जिससे गंभीर नुकसान हुआ।इलाज और इंजेक्शन देने के बाद भी उनकी दाईं आंख में अब सिर्फ लगभग 15 प्रतिशत रोशनी बची है। वहीं इमरान का कहना है उन्हें निजी डॉक्टर से इलाज कराने की इजाजत नहीं दी गई है।

रिपोर्ट- इमरान खान मानसिक दबाव से जूझ रहे-रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2023 से इमरान खान को अडियाला जेल में लगातार अलग-थलग रखा गया है। उनके वकील ने मुलाकात के बाद बताया कि वो काफी परेशान और मानसिक रूप से दबाव में नजर आए। 73 साल के इमरान खान ने यह भी कहा कि उन्हें अपने निजी डॉक्टरों से इलाज कराने की इजाजत नहीं दी गई। उनका रेगुलर ब्लड टेस्ट भी नहीं हुआ। यहां तक कि दो साल में उन्हें दांतों के डॉक्टर के पास भी नहीं ले जाया गया, जबकि उन्होंने कई बार इसकी मांग की थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उनके परिवार और वकीलों से मिलने पर भी पाबंदियां लगाई गईं। अदालत के आदेश के बावजूद उनकी बहनों को नियमित रूप से मिलने नहीं दिया गया। हालांकि हाल ही में जेल प्रशासन बदलने के बाद अब उन्हें अपनी पत्नी से हफ्ते में एक बार 30 मिनट मिलने की इजाजत मिली है।उनके बेटों कासिम और सुलेमान से 2025 में सिर्फ दो बार फोन पर बात करने दी गई। पिछले पांच महीनों से उन्हें अपने मुख्य वकील और कानूनी टीम से भी मिलने नहीं दिया गया।रिपोर्ट के अंत में चेतावनी दी गई है कि अगर तुरंत बेहतर मेडिकल जांच, साथ ही परिवार और वकीलों से मिलने की सुविधा बहाल नहीं की गई, तो उनकी सेहत को और गंभीर खतरा हो सकता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670